राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 17 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-208 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिना बताए पाकिस्तान गए तो जीवन भर किया जाएगा ब्लैकमेल, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर पाकिस्तान से संबंध होने का आरोप लगाने वाले असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि यहां की सरकार को सूचित किए बिना पड़ोसी देश का दौरा करने वाले किसी भी व्यक्ति को जीवन भर ब्लैकमेल किया जाएगा। हालांकि सरमा ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ब्लैकमेल कौन करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई पाकिस्तान जाता है, तो उसे वहां अपनी गतिविधियों के बारे में भारत सरकार को सूचित करना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने कहा कि वह एक बार गए हैं या दो बार, यह बात नहीं है। उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह पाकिस्तान गए थे। गोगोई ने हाल ही में दिल्ली में गुवाहाटी स्थित सेटेलाइट चैनल के सम्मेलन में पाकिस्तान से अपने संबंधों पर टिप्पणी की थी। गोगोई ने कहा था कि वह शादी के बाद पाकिस्तान गए थे, क्योंकि उनकी पत्नी वहां काम करती थीं। सरमा ने कहा कि यदि कोई पाकिस्तान जाता है तो उसे भारत सरकार को यह बताना होगा कि वह वहां कितने समय तक रहा, किससे मिला, किसके साथ तस्वीरें खिंचवाईं, किसके घर गया। सरमा ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अधिकारियों को सूचित किए बिना पाकिस्तान की यात्रा करता है, तो उसे यात्रा की तस्वीरें और वीडियो जारी करने की धमकी देकर जीवन भर ब्लैकमेल किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अगर मैं बिना किसी को बताए पाकिस्तान चला गया तो क्या वहां मेरे फोटो और वीडियो नहीं होंगे, जहां मैं उनके लोगों, सेना, आईएसआई आदि से मिल रहा हूं। वे मुझे बाद में बुलाएंगे और कहेंगे कि अब आप सीएम हैं, आपको वही करना होगा जो हम कहेंगे।

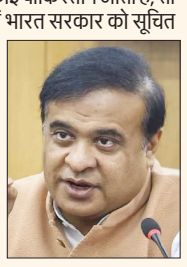

युवराज और उथप्पा को ईडी का समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को पूछताछ के लिए तलब किया है। उथप्पा को 22 सितंबर और युवराज को 23 सितंबर को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह मामला ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस से संबंधित है। उथप्पा फिलहाल एशिया कप 2025 की कमेंट्री टीम का हिस्सा हैं। दिल्ली में इस केस में अब तक चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर तलब किए जा चुके हैं। इससे पहले, इस मामले में संघीय एजेंसी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ की थी।

मालेगांव ब्लास्ट केस: बरी करने के फैसले के खिलाफ हर कोई अपील नहीं कर सकता

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले में एक अहम टिप्पणी की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी कर कहा है कि किसी भी आरोपी के बरी होने के फैसले के खिलाफ हर कोई अपील नहीं कर सकता। अपील दायर करने का अधिकार केवल उन्हीं लोगों को है जो मामले की सुनवाई के दौरान गवाह रहे हों या सीधे तौर पर पीड़ित पक्ष से जुड़े हों। मालेगांव ब्लास्ट में मारे गए 6 लोगों के परिवारों ने विशेष एनआईए अदालत के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें सभी सात आरोपियों को बरी किया था। परिवारों का कहना है कि यह फैसला कानून के खिलाफ है और फैसले को रद्द किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपील करने वालों से पूछा कि क्या वे ट्रायल के दौरान गवाह थे। अदालत ने विशेष रूप से निसार अहमद के मामले का जिक्र किया, जिनके बेटे की मौत इस धमाके में हुई थी। उनके वकील ने बताया कि निसार अहमद गवाह नहीं थे, जिस पर कोर्ट ने कहा कि अगर उनके बेटे की मौत हुई थी, तब उन्हें गवाह होना चाहिए था। मामले में पीड़ित परिवारों का आरोप है कि जांच एजेंसियों की खामियों या कमियों को आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। उनका कहना है कि जब मामला एनआईए को सौंपा गया, तब एजेंसी ने आरोपियों पर लगे गंभीर आरोपों को कमजोर कर दिया। अपीलकर्ताओं ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट को केवल मूक दर्शक नहीं बने रहना चाहिए था। मामले पर बुधवार को दोबारा सुनवाई होगी।

मेघालय में आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के टिमोथी डी शिरा, भाजपा के सनबोर शुल्लई, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के मेतबाह लिंगदोह ने यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में शपथ ली। मुख्यमंत्री कोनराड के। संगमा ने अपनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल में यह बड़ा फेरबदल किया है। एनपीपी के वेलादमिकी शायला, सोस्थनीज सोहटुन और ब्रेनिंग ए संगमा तथा 'हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) के मेथोडियस दखार और यूडीपी के लाहकमेन रिम्बुई को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मेघालय मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले कुल 12 मंत्रियों में से आठ ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने बताया कि एनपीपी नीत मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस सरकार के प्रमुख मुख्यमंत्री कोनराड के। संगमा ने यहां राजभवन में राज्यपाल सी एच विजयशंकर से मुलाकात की और मंत्रियों के इस्तीफे सौंपे। एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''अपने पदों से इस्तीफा देने वाले आठ मंत्रियों में एनपीपी के अम्पारीन लिंगदोह, कॉर्मिगोन यम्बोन, रक्कम ए। संगमा और अबू ताहिर मंडल, यूडीपी के पॉल लिंगदोह और किरमेन शायला, एचएसपीडीपी के शकलियार वारजरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ए एल हेक शामिल हैं।

नियम के अनुसार, 60 सदस्यीय विधानसभा वाले मेघालय में मुख्यमंत्री सहित 12 से अधिक मंत्री नहीं हो सकते। अम्पारीन लिंगदोह कृषि और कानून विभाग की प्रभारी थीं, जबकि यम्बोन और रक्कम ए संगमा क्रमशः सहकारिता और शिक्षा विभाग संभालते थे।

झुक गया अमेरिका, भारतीय कृषि और डेयरी बाजारों में पहुँच की माँग छोड़ी!

अब कह रहा है- बस हमारा चीज़ और मक्का खरीद लो

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच ठंडी पड़ी व्यापार वार्ता एक बार फिर पटरी पर लौट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारी टैरिफ लगाने और वार्ता को निलंबित करने के कुछ ही हफ्तों बाद, वाशिंगटन से एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा है ताकि बातचीत को पुनः शुरू किया जा सके। यह वार्ता सकारात्मक माहौल में शुरू भी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि इस बार अमेरिका कुछ रियायतों के साथ आया है। अमेरिकी टीम अब भारत के विशाल कृषि और डेयरी बाजारों में व्यापक पहुंच की मांग नहीं कर रही। इसकी बजाय वह केवल भारत से अमेरिकी चीज़ और मक्का खरीदने की अपेक्षा कर रही है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि उनका लक्ष्य भारत के संवेदनशील छोटे डेयरी किसानों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है, बल्कि उच्च श्रेणी के उत्पादों- जैसे प्रीमियम चीज़ को बेचने पर केंद्रित है।

हालाँकि, अमेरिका की मक्का निर्यात योजना में अड़चनें हैं, क्योंकि उसका अधिकांश कॉर्न जेनिटिकली मॉडिफाइड (GM) है, जिसकी अनुमति भारत न तो आयात में देता है और न ही घरेलू स्तर पर खेती में। इसके अलावा, बिहार जैसे राज्यों में चुनावी परिदृश्य को देखते हुए इस पर राजनीतिक विरोध की संभावना भी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की यह 'झुकाव वाली' नीति उसके घरेलू कृषि संकट की देन है। चीन के साथ चल रहे व्यापार युद्ध ने अमेरिकी किसानों को गहरे आर्थिक नुकसान में डाल दिया है। चीन, जो अमेरिका का सबसे बड़ा खरीदार था, अब ब्राज़ील जैसे विकल्पों की ओर रुख कर चुका है। ऐसे में अमेरिकी गोदाम बिना बिके सोयाबीन और कॉर्न से भर गए हैं। यही कारण है कि ट्रंप प्रशासन अब भारत जैसे बड़े बाज़ार के साथ समझौते की ओर लचीलापन दिखा रहा है।

उधर, नई दिल्ली में शुरू हुई वार्ता को विशेषज्ञों ने एक लंबी खींचतान करार दिया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) का कहना है कि जब तक अमेरिका अतिरिक्त शुल्क, विशेषकर रूस से तेल आयात पर लगाई गई 25प्र. ड्यूटी को वापस नहीं लेता, तब तक कोई बड़ा ब्रेकथ्रू संभव नहीं है।

दूसरी ओर, देखा जाये तो भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का पुनः आरंभ होना केवल आर्थिक नहीं बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति कितनी मज़बूत हो चुकी है कि आज अमेरिका को बातचीत के लिए झुकना पड़ा है।

ट्रंप प्रशासन की शुरुआती आक्रामक टैरिफ नीति वास्तव में अमेरिका के लिए ही उलटी साबित हुई। चीन के साथ चल रहे व्यापार युद्ध ने अमेरिकी किसानों की कमर तोड़ दी है। ऐसे में भारत जैसा बड़ा और संभावनाओं से भरा बाजार अमेरिका के लिए अपरिहार्य बन गया है। यही कारण है कि पहले जो अमेरिका भारत से डेयरी और कृषि बाजार खोलने की मांग कर रहा था, वह अब प्रीमियम चीज़ और मक्का जैसे सीमित उत्पादों पर आकर अटक गया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत ने इस पूरे घटनाक्रम में एक रणनीतिक धैर्य का परिचय दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुकने का संदेश दिया और न ही अनावश्यक टकराव की राह अपनाई। ÷स्वदेशी÷ और किसानों के साथ खड़े रहने का उनका संदेश देश के भीतर सशक्त राजनीतिक संकेत था, जबकि वैश्विक मंच पर इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत अमेरिकी दबाव के आगे अपने हितों से समझौता नहीं करेगा।

फिर भी, सावधानी की आवश्यकता है। अमेरिका की ओर से दिखाई जा रही यह लचीलापन स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितिजन्य है। जैसे ही उसके किसान संकट से बाहर आएंगे या चीन के साथ समीकरण बदलेगा, वह फिर से सख्ती की राह पकड़ सकता है। इसके अलावा, जीएम कॉर्न जैसे मुद्दे भारत के लिए घरेलू राजनीति में संवेदनशील बने रहेंगे।

बहरहाल, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का यह नया चरण एक अवसर है, लेकिन यह आसान नहीं होगा। भारत को दीर्घकालिक तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा और अपने किसानों, घरेलू उद्योग और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। अमेरिका चाहे कितनी भी 'चीज़ी' पेशकश करे, भारत को यह ध्यान रखना होगा कि कोई भी समझौता उसकी संप्रभुता और आत्मनिर्भरता की बुनियाद को कमजोर न करे।

जन्मदिन पर मध्यप्रदेश को तोहफों की सौगात देने आ रहे पीएम मोदी... पीएम मित्र पार्क का उदघाटन

आठवें राष्ट्रीय पोषण माह, सुमन सखी चैटबॉट, आदि सेवा पर्व और एक बगिया मां के नाम

अमृतसर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपने जन्मदिन के मौके पर मध्य प्रदेश दौरे पर आ रहे है। इस दौरान दोपहर करीब 12 बजे धार में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह अभियान का शुभारंभ करने वाले है। इसके साथ ही वे कई अन्य योजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ करने के साथ ही उपस्थित जनसमूह को संबोधित करने वाले है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देश भर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), जिला अस्पतालों और अन्य सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में आयोजित होगा। इसके तहत एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह देश में महिलाओं और बच्चों के लिए अब तक का सबसे बड़ा स्वास्थ्य अभियान बनेगा। देश भर के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देश भर की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में एक क्लिक से सीधे धनराशि भी हस्तांतरित करने वाले है। देश की करीब दस लाख महिलाओं को इसका लाभ होगा। प्रधानमंत्री मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सुमन सखी चैटबॉट का शुभारंभ करने वाले है। यह चैटबॉट ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को समय पर और सटीक जानकारी प्रदान करेगा, इससे आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होगी। सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ देश की सामूहिक लड़ाई को आगे बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश के लिए एक करोड़वां सिकल सेल स्क्रीनिंग और परामर्श कार्ड वितरित करने वाले है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश के लिए आदि सेवा पर्व का शुभारंभ करने वाले हैं, जो आदिवासी गौरव और राष्ट्र निर्माण की भावना के संगम का प्रतीक होगा। इस पहल में जनजातीय क्षेत्रों में सेवा-उन्मुख गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल होगी, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कौशल विकास, आजीविका संवर्धन, स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित होगी।

देहरादून में बादल फटा, मंदिर, दुकानों-घरों में मलबा घुसा

-टोंस नदी में ट्रैक्टर बहने से 8 लोगों के मरने की खबर: मंडी में 3 की मौत

शिमला, देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के इलाके तपोवन, आईटी पार्क, घंगौरा, घड़ी कैंट इलाकों में पानी भर गया। कई सड़कें बह गईं। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। इस दौरान मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत और 4 के लापता होने की खबर है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। टपकेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया कि सुबह 5 बजे नदी में बाढ़ आई, पूरा मंदिर डूब गया, कई मूर्तियां बह गईं। हालांकि, गर्भगृह सुरक्षित है। पानी उतरने पर मंदिर में 2 फीट मलबा दिखा। उधर, हिमाचल के मंडी के धर्मपुर बस स्टैंड में भी रात में हुई बारिश के बाद मलबा भर गया। बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। राज्य में 3 नेशनल हाईवे बंद हैं। 493 सड़कों पर आवाजाही ठप है। मंडी के ही निहरी में लैंडस्लाइड के कारण 3 की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पास की एक चट्टान का मलबा एक घर पर गिर गया, जिससे वह ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए।

मोदी सरकार 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही : शाह

हम सभी को अपनी युवा पीढ़ी की गंदी लत से बचाना होगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि मोदी सरकार 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है, इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को सुरक्षित कर एक विकसित राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने एंट्री पॉइंट से लेकर लोकल स्तर तक सक्रिय सभी तीन प्रकार के ड्रग कार्टेल पर कड़ा प्रहार कर विदेशों से संचालित तस्करों के प्रत्यर्पण व निर्वासन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के काम में लगी है और इस काम को पूरा करने में जुटी हुई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ

कार्रवाई के पैमाने में बदलाव करे, ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना दुनिया के सामने प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तब हम सभी को अपनी युवा पीढ़ी की गंदी लत से बचाना होगा। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली होगी, तब देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे करीब ही हैं... इसलिए हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ना होगा।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा शहरों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ चुका है। मेरा मानना ??है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है।

शाह ने कहा कि भगौड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे, आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज़ के लिए उपयोगी हो।

ऑपरेशन सिंदूर में कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के चिथड़े उड़ गए

जैश कमांडर मसूद इलियास का कैमरे के सामने कबूलनामा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अप्रैल महीने में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर में कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के चिथड़े उड़ गए थे। यह बात किसी ओर ने नहीं एक जैश कमांडर मसूद इलियास ने कैमरे के सामने कबूली है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही मसूद के परिवार के कई सदस्यों के मारे जाने की रिपोर्ट सामने आई थी। लेकिन, अब मसूद के खास आतंकवादी के कबूलनामे ने भारत के दावे पर मुहर लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के बहावलपुर में आतंकवादी ठिकाने पर भारतीय सेना जबर्दस्त प्रहार किया था। इस हमले में मसूद का पूरा परिवार खत्म हो गया था। आंतकी इलियास का यह वीडियो बयान एक बड़ा झटका है पाकिस्तान-समर्थित आतंकवाद के लिए है। क्योंकि इलियास जैश का एक प्रमुख कमांडर है। इलियास ने खुद कबूल किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर के मार्काज सुब्हान अल्लाह कॉम्प्लेक्स जैश का मुख्यालय था। इस पर भारतीय मिसाइल हमलों में मसूद अजहर के 10 परिवारजन और 4 सहयोगी मारे गए। इसमें अजहर की बहन, उसका पति और कई बच्चे शामिल थे। पाकिस्तानी मीडिया ने शुरुआत में 14 मौतों की रिपोर्ट की थी, लेकिन अजहर ने खुद पुष्टि की कि उनका पूरा परिवार खत्म हो गया। यह कॉम्प्लेक्स 15 एकड़ में फैला था, जहां युवाओं को आंतकी बनने की ट्रेनिंग और कट्टरपंथी शिक्षा दी जाती थी। बात दें कि भारतीय वायुसेना ने सात मई की रात 1:05 बजे नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें जैश, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के कैंप शामिल थे। चार साइटें पाकिस्तान में (सियालकोट, मुरिदके और बहावलपुर) और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर में थीं।

भारतीय वायुसेना की चिंता होगी कम... एचएएल हर माह दो फाइटर जेट्स तेजस एमके-1ए सौंपेगा

अमेरिकी कंपनी जीई की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी के कारण हुई दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना इनदिनों लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही है। इस लेकर वह बार-बार चिंता भी जता चुकी है। लेकिन, अब उसकी सबसे बड़ी चिंता जल्द दूर होगी। क्योंकि देसी विमान निर्माता कंपनी एचएएल ने स्वदेसी फाइटर जेट तेजस एमके-1ए के प्रोडक्शन को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। अमेरिकी कंपनी जीई की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी और अन्य कारणों से फाइटर जेट की सप्लाई में देरी हो रही थी।

दरअसल, तेजस एमके-1ए देश में तैयार एक शानदार फाइटर जेट है। भारत सरकार ने एचएलए को 180 तेजस एमके-1ए विमानों का ऑर्डर दिया है। ये ऑर्डर दो बार में दिए गए। पहला ऑर्डर 83 विमानों का मिला था। पिछले दिनों केंद्रीय कैबिनेट ने फिर से इसतरह के 97 विमानों का ऑर्डर दिया था। इन विमानों की डिलिवरी मार्च 2024 में शुरू होनी थी। लेकिन, अभी तक एयरफोर्स को एक भी विमान की डिलेवरी नहीं हुई है। लेकिन, एचएएल अब अगले माह हर साल में कम से कम दो विमान की आपूर्ति करेगी। इन विमानों में मिसाइलों का टेस्ट परीक्षण किया जा रहा है। मिसाइलों के टेस्ट परीक्षण के बाद ये जेट एयरफोर्स को सौंप दिए जाएंगे। एचएएल के प्रमुख डीके सुनील का कहना है कि यह बात सही है कि तेजस एमके-1ए की सप्लाई में देरी हुई है। लेकिन, सप्लाई चेन की समस्या सिर्फ भारत नहीं नहीं पूरी दुनिया में है। दुनिया में विमान इंजन बनाने वाली केवल तीन कंपनियां हैं। इनके नाम है जीई, सैफ्रान और हनीवेल शामिल है। दुनिया के तमाम विमान निर्माता इनके पास ही लाइन लगाकर खड़े हैं। इसके बाद एचएएल को टारगेट करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों अमेरिकी से भारतीय सेना के लिए खरीदे गए अपाचे हेलीकॉप्टरों की सप्लाई में भी इसी तरह की देरी हुई। इस वक्त पूरी दुनिया सप्लाई चेन की समस्या से जूझ रही है। अभी तक एचएएल को जीई से केवल तीन इंजन मिले हैं। इस साल दिसंबर तक सात इंजन मिलने है। फिर अगले साल 20 इंजन मिलने की संभावना है। इस तरह 2026 के अंत तक उम्मीद की जा रही है कि एयरफोर्स को करीब 30 फाइटर जेट्स मिल जाएंगे।

एचएएल प्रमुख सुनील ने बताया कि एचएएल अगले माह दो फाइटर जेट्स की सप्लाई करने जा रही है। उसके पास 10 तेजस एमके-1ए तैयार हैं। उसमें केवल इंजन फिट करना है. इसके अलावा 24 तेजस एमके-1ए का पूरा ढांचा तैयार है। यानी एचएएल के पास करीब 34 फाइटर जेट तैयार मोड में हैं। ये करीब एयरफोर्स के दो स्क्वाड्रन के बराबर हैं। एक स्क्वाड्रन में 18 विमान होते हैं। जहां तक इंजन सप्लाई के बारे में एचएएल का दावा है कि शुरुआत में दिक्कत आती है। एक बार चीजें पटरी पर आने के बाद सप्लाई रफ्तार पकड़ लेगी और

एचएएल की ओर से डिविलरी भी तेज होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एचएएल के पास सालाना 24 फाइटर जेट बनाने की क्षमता आ गई है। यानी हर माह दो फाइटर जेट्स एयरफोर्स को सौंपे जाएंगे। इसके लिए एचएएल ने करीब पांच निजी कंपनियों के साथ समझौता किया है। इसमें टाटा और एलएंडटी जैसी कंपनियां हैं, जो विंग से लेकर विमान के अलग-अलग हिस्सों की निर्माण कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव

(लेखक - ललित गर्ग)

नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिन- 17 सितम्बर, 2025

नरेंद्र मोदी आज केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय लोकतंत्र की गौरवगाथा को नई ऊँचाइयों तक ले गया है। साधारण परिवार में जन्मा एक बालक, जिसने जीवन के संघर्षों को तपस्या की तरह जिया, आज विश्व राजनीति ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक बन गया है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में अटूट परिश्रम, कर्मनिष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का अदम्य संकल्प हो, तो वह इतिहास की धारा को भी मोड़ सकता है। नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है।

मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र 卐सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास卐 केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नगण्य होता है, पर मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्तृत्व की छेनी से तराश कर महान् बना देते हैं।

नरेन्द्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहाँ उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं जीवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्वक देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरुआत होगी।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कही जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने करोड़ों गरीबों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने भारत की नई आक्रामक और निर्णायक छवि प्रस्तुत की। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि मोदी ने भारतीय समाज में आत्मविश्वास का संचार किया और यह भावना मजबूत की कि भारत अब किसी से पीछे नहीं रहेगा। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके विचार, जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं।

मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में ताज़ा है। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समाज की ऊर्जा और उत्साह के बीच गणि राजेन्द्र विजयजी ने बड़ी आत्मीयता से उनको कहा था-卐अब आप दिल्ली चलो।卐 गणिजी का यह वाक्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी धर्मगुरु की अंतरदृष्टि थी, जो बाद में सार्थक भी हुई। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं।

मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत की आत्मा के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं।

आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज़ आज पूरी दुनिया सुनती है। उनका 75वां जन्मोत्सव केवल एक व्यक्ति के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि उस युगांतरकारी यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर किया है। वे उस नेतृत्व के धनी हैं जिसने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। कठोर परिश्रम, राष्ट्रनिष्ठा और मिशनरी दृष्टि से ओतप्रोत नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति का ही नहीं, विश्व राजनीति का भी स्वर्णिम अध्याय हैं। आने वाला समय इस बात का साक्षी बनेगा कि उनका नेतृत्व न केवल एक नए भारत का निर्माण करेगा, बल्कि विश्व को भी शांति, सहयोग और विकास का नया मार्ग दिखाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

पारदर्शितापूर्ण समाधान

एआई यानी आर्टीफिशल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) का इस्तेमाल जिस तेजी से प्रचलित होता जा रहा है। वह कई तरह के संकट भी उपजा रहा है। इसलिए संसद की समिति ने सरकार से एआई के मार्फत गढ़ी गई फर्जी खबरों को फैलाने वालों की पहचान करने और उन पर मुकदमा दायर करने के लिए ठोस कानूनी व तकनीकी समाधान विकसित करने को कहा है। संचार व सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थाई समिति ने मसौदा रिपोर्ट में सूचना-प्रसारण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय व अन्य संबंधित मंत्रालयों के बीच सहयोग का आग्रह भी किया है। हालांकि समिति के सुझाव सरकार के लिए मान्य नहीं हैं मगर संसदीय समितियां संसद का प्रतिनिधित्व करती हैं और सरकार इस पर बार-बार विचार करती रही है इसलिए ठोस कानूनी व तकनीकी समाधान विकसित किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार फर्जी खबरों का पता लगाने के लिए दो सॉफ्टवेयर प्रयोग हो रहे हैं। डीप लर्निंग फ्रेमवर्क व डीप फेक वीडियो, जिनके द्वारा फर्जी भाषण व फाइल का पता लगाने का प्रयास किया जाता है। कृत्रिम बुद्धिमता के प्रचलित होते ही घोटालेबाजों, उपद्रवियों व नफरत फैलाने वाले नकारात्मक लोगों द्वारा फर्जी खबरों या तस्वीरों का प्रयोग किया जा रहा है। गूगल समेत सभी तकनीकी कंपनियां कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग को सच बनाकर प्रचारित करने में पीछे नहीं रहना चाहती। बेशक फर्जी खबरों या वीडियो के मार्फत केवल राजनीतिक दलों को ही नुकसान नहीं पहुंचाया जा रहा बल्कि जानी-मानी शख्सियतों या भीषण दुर्घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं व युद्धादि की खबरों को भी बढ़ा-चढ़ाकर या वीभत्स तरीके से प्रचारित किया जाता है। फर्जी खबरों/वीडियो को समाज के लिए खतरे के तौर पर देखा जाता है। इनसे न सिर्फ नागरिकों में भय फैल सकता है बल्कि दंगे-फसाद या उन्माद भी बढ़ने की आशंका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विभिन्न चरणों की जांच का आासन भले ही देते हैं मगर ओछी मानसिकता वाले फर्जी बातें, खबरें या तस्वीरों को वायरल करने से बाज नहीं आते। हालांकि सरकार को सिर्फ अपने स्वार्थानुसार मुकदमे या कानून की बजाए एआई के किसी भी तरह के फर्जी/गलत या बदनियति से फैलाई खबरों/चित्रों पर रोकने या कानूनी कार्रवाई की कोशिशें करनी होगीं।

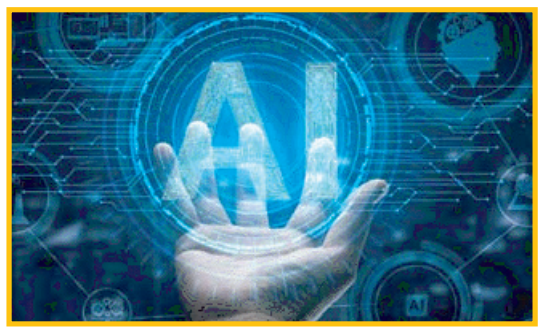

मोदी जी के नेतृत्वन में आत्म निर्भरता की ओर भारत

(लेखक- सुरेश पचौरी)

(17 सितम्बर जन्मनदिवस पर विशेष)

यशस्वीर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितम्बिर को 75 वां जन्मीदिवस है। गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच अपनी लगन, निष्ठात, परिश्रम, त्या ग, दृढ़ इच्छोशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरूष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्वन के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष की गाथा से भरा हुआ है, वस्तुरत- वे संघर्षो की उपज हैं। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्राबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्तर भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्थाम में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रूके।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत 11 वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्म निर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे करोड़ों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्याज समृद्धि योजना और महिला स्वे सहायता समूहों को सशक्ता कर उन्हों ने सकारात्म क परिवर्तन की दिशा में परिणाममूलक कदम उठाए।

श्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्षों के प्रधानमंत्री के कार्यकाल पर नजर दौड़ाएं तो बहुत स्पष्ट दिखता है कि इस दौरान देश ने प्रगति की दिशा में तेज रफ्तार पकड़ी, आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी और सबसे बड़ी बात तो यह कि अमेरिका जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र मोदी जी के कसीदे पढ़ने लगा। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़ प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्वे के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। 'यह नया भारत है, दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है', ऐसे सिंहनाद से देश का आम जनमानस खुद को सुरक्षित तो महसूस करता ही है, साथ ही नये भारत की उपलब्धियों पर उसे गर्व भी होता है। नि:संदेह, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश में चहुंमुखी प्रगति हो रही है। हमारी जीडीपी की दर भी संतोषजनक है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की काट के लिए मोदी जी द्वारा स्वदेशी अपनाने का जो आहवान किया गया, लोगों का इस दिशा में झुकाव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वाकस्के और गरिमा की रक्षा की। बेहतर स्वादस्टे। सुविधा के मद्देनजर आयुष्मानन भारत योजना शुरू की गई, जिससे 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्यी बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

मोदी जी की दृष्टि में देश का अन्नदाता किसान सदैव प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रूपये की सीधी सहायता दी जा रही है। ई-नाम पोर्टल द्वारा कृषि मंडियों को ऑनलाइन जोड़ा गया है, जिससे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक विस्तार हो रहा है। जम्मू-कश्मीर सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अभूतपूर्व रेल क्रांति दिखाई दे रही है। ये राज्य पर्यटन के नक्शो में प्रमुखता से दर्ज होने लगे हैं, मिजोरम जैस दुर्गम एवं पहाड़ी राज्ये में बैराबी-सैरांग रेल परियोजना मिजोरम को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि है।

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यत- जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वत- समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

नेताओं का अमर्यादित संवाद तथा आक्रमकता चिंता का विषय

(लेखक-सनत कुमार जैन)

जिन नेताओं को आम जनता अपना आदर्श मानती है, उनके पीछे चलती है, वहीं जनता अब अपने नेताओं के अमर्यादित बयान और अपशब्दों के प्रयोग पर कटाक्ष कर रहे हैं। अने तिक और अमर्या दित आचरण पर प्रतिक्रिया जनमानस के बीच में भी देखने को मिलने लगी है। राजनीतिक संवाद और बहस का स्तर लगातार गिरता चला जा रहा है। यह केवल भारत में हो रहा हो, ऐसा नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और एशिया के अन्य लोकतांत्रिक देश में भी मर्यादाएं खत्म होती जा रही हैं। संसद और विधानसभा के अंदर भी जिस तरह से एक दूसरे के खिलाफ हमले किए जा रहे हैं। राजनीतिक बहस का स्तर तू तडाक और हाथापाई ओर मारपीट तक पहुंचने लगा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के इस युग में नेताओं के बयान और उनकी कही हुई बातें सारे देश एवं दुनिया में वायरल हो जाती हैं। लोकप्रियता पाने के लिए जानबूझकर अमर्यादित आचरण के माध्यम से नेता विवादित मुद्दों को तूल देते हैं। लोगों को भावात्मक या आक्रामक रूप से जोड़ने के लिए इस तरह के बयान सार्वज निक रुप से संसद, आम सभाओं, टेलीविजन और सोशल मीडिया के माध्यम से राजनेताओं द्वारा दिए जा रह हैं। उन्होंने इसे सफलता का मापदंड मान लिया है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में नेताओं द्वारा एक दूसरे के ऊपर व्यक्तिगत आरोप लगाए जा रहे हैं। कई पीढ़ियों को विवाद में घसीटा जा रहा है। झूठ-सच जो भी मन में आता है, वह बोल दिया जाता है। भारत जैसे देश में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा पूर्व के प्रधानमंत्री और नेताओं को लेकर जिस तरह से कपोल कल्पित बातें कहकर वर्तमान में उनको निशाने पर लिया जा रहा है। इससे भारत की प्रतिष्ठा सारी दुनिया के देशों में धूमिल हो रही है जिस महात्मा गांधी को अहिंसा का प्रतीक मानकर सारी दुनिया ने स्वीकार किया गया था। उन्ही गांधी की छवि को वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व धूमिल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू जो भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उनकी सारे विश्व में एक अलग पहचान बनी हुई थी। उन्होंने पंचशील के सिद्धांत और गुटनिरपेक्ष देश के रूप में जो भारत की छवि विदेशों में बनाई थी। स्वतंत्रता के बाद भारत के नव- निर्माण मि श्रित अर्थ-व्यवस्था का उपयोग करते हुए विकास का रास्ता बनाया। जिस तरह से नेहरू, इंदिरा गांधी या पुराने शासको को वर्तमान में निशाना बनाकर कपोल कल्पित रूप से बदनाम किया जा रहा है। राजनीतिक विद्वेष के साथ-साथ अब वैचारिक मतभेद भी इस स्थिति पर आकर खड़े हो गए हैं, जिसमें नुकसान ही नुकसान हो रहा है। भावात्मक रूप से समाज के अंदर ही अंदर वेमनस्य बढ़ता चला जा रहा है। धार्मिक ध्रुवीकरण और सत्ता के लिए जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर निशाना साधे जा रहे हैं। उससे लोकतांत्रिक व्यवस्था दिन प्रतिदिन कमजोर होती चली जा रही है। अब राजनीतिक विश्लेषक भी मानने लगे हैं, लोकतंत्र के लिए यह सबसे खतरनाक संकेत है। नैतिकता और मर्यादा का राजनीति में अब कोई स्थान नहीं रहा। वर्तमान में लाभ लेने के लिए जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर अनै तिक और अमर्या दित हमले किए जा रहे हैं। उसने भारत स हित अन्य लोकतांत्रिक देशों में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था से आम जनता का विश्वास घटने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से शासन में बैठे हुए लोगों द्वारा न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को शासन का अंग बनाने का दबाव बढ़ा है। हाल ही के वर्षों में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अब फ्रांस में जिस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही हैं, उसने विश्व व्यापी चिंता पैदा कर दी है। फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों में भी जिस तरह से राजनेता एक दूसरे के खिलाफ अमर्या दित आचरण कर रहे हैं। यह व्यवहार अब दूसरे देशों के शासको के साथ भी इसी तरह का अमर्यादित हो गया है। जो चिंता का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-गाजा, भारत-पाकिस्तान लोकतां त्रिक व्यवस्था को सुदृण रने के लिये जिस तरह तनाव देखने को मिल हो रहे हैं, उउसे सारी दुनिया चिं तित है। जिन देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था थी, वहां की जनता भीड़ के रूप में आती है। नेताओं के साथ मारपीट करने लगती है। राष्ट्रपति भवन संसद और सुप्रीम कोर्ट जैसे स्थानों पर घुसकर अराजकता मचाती है। प्रमुख पदों पर बैठे हुए लोगों के घर और जन-धन को हानि पहुंचाने हमला करती है। शासकों और आम जनता के बीच में संवाद खत्म होता जा रहा है। जो संवाद बन भी रहा है, उसमें कोई नैतिकता और संवेदनशीलता नहीं है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यदि राजनीतिक संवाद का स्तर, चुनाव की निष्पक्षता एवं न्यायपालिका के ऊपर यदि लोगों को विश्वास नहीं रहेगा, तो भीड़तंत्र, लोकतंत्र पर हावी हो जाएगा। सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। समय रहते तत्काल सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले समय में हिंसा बढ़ना तय है। वर्तमान ही भविष्य का रास्ता है। पिछले पांच दशक में जो रास्ता लोकतंत्र में बना था। वर्तमान में उस रास्ते से भटक रह हैं। इसराइल और इस्ला मिक देशों में राजनीतिक संवाद का स्तर सुधारना होगा। पड़ेगा न्यायपालिका और कार्यपालिका को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। एक बार यदि हमने यह ताकत को दी, तो भीड़ तंत्र अनियंत्रित होकर लोकतां त्रिक व्यवस्था को हिंसक समाज में बदल देगा। जो किसी के लिए हितकारी नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईफोन 17 प्रो मेक्स का कॉस्मिक ऑरेंज वेरिएंट आउट ऑफ स्टॉक

- भारत और अमेरिका में भारी मांग, एप्पल स्टोर्स पर नहीं उपलब्ध

नई दिल्ली आईफोन 17 प्रो मेक्स के कॉस्मिक ऑरेंज रंग की मांग ने भारत और अमेरिका में बिक्री के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बुकिंग शुरू होने के महज तीन दिन के भीतर यह वेरिएंट सभी स्टोरेज मॉडल्स में आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। एप्पल इंडिया की वेबसाइट के अनुसार भारत में आईफोन 17 प्रो और प्रो मेक्स की पूरी श्रृंखला वर्तमान में पिक-अप विकल्प के साथ प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध नहीं है। खासकर कॉस्मिक ऑरेंज वेरिएंट किसी भी स्टोर पर नहीं मिल रहा है। एक एप्पल विशेषज्ञ ने बताया कि हमें खेद है, लेकिन ऑरेंज वेरिएंट की डिमांड इतनी ज्यादा है स्टॉक खत्म हो गया है। हम जल्द से जल्द इसे फिर से उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ स्टोर्स पर डार्क ब्लू वेरिएंट सीमित संख्या में मौजूद हैं। भारत में आईफोन 17 सीरीज की कीमत 82,900 से 2,29,900 रुपए तक रखी गई है। जिन ग्राहकों ने 12 सितंबर से पहले प्री-ऑर्डर किया है, उन्हें 19 सितंबर से डिलीवरी मिलनी शुरू हो जाएगी। वहीं नई बुकिंग करने वाले ग्राहकों को 7 अक्टूबर के बाद डिलीवरी मिलेगी। एप्पल ने भारत में अपने उत्पादन को बढ़ाया है, और बेंगलुरु स्थित फैक्ट्री में आईफोन 17 का निर्माण शुरू हो चुका है। हालांकि, चीन द्वारा लगाए गए अनौपचारिक प्रतिबंधों के चलते उत्पादन श्रृंखला में चुनौतियां बनी हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एप्पल 2025 में भारत में आईफोन उत्पादन को बढ़ाकर 6 करोड़ यूनिट तक पहुंचाने की योजना बना रहा है।

1 अक्टूबर से ऑनलाइन टिकट बुकिंग में बड़ा बदलाव

- सिर्फ आधार वेरिफाइड यात्री ही बुक कर सकेंगे टिकट

नई दिल्ली भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 1 अक्टूबर 2025 से टिकट खुलने के बाद पहले 15 मिनट तक केवल वही यात्री आईआरसीटीसी वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर टिकट बुक कर सकेंगे जिनका आधार वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है। रेलवे का यह फैसला ई-टिकटिंग में फर्जीवाड़ा रोकने और आम यात्रियों को प्राथमिकता देने के लिए लिया गया है। अक्सर देखा गया है कि टिकट खुलते ही एजेंट्स या बॉट्स के ज़रिए सीटें बुक हो जाती हैं, जिससे आम यात्रियों को कन्फर्म टिकट नहीं मिल पाता। अब आधार लिंकिंग के चलते वास्तविक यात्रियों को पहले मौका मिलेगा। इस नए नियम के साथ ही, पहले की तरह रेलवे के अधिकृत एजेंट्स पहले 10 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे, जिससे आम यात्रियों को और अधिक प्राथमिकता मिलेगी। रेलवे ने इस बदलाव को लागू करने के लिए सीआरआईएस और आईआरसीटीसी को तकनीकी निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही यात्रियों को जागरूक करने के लिए बड़े स्तर पर प्रचार अभियान चलाया जाएगा।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता शुरू

- रूसी तेल खरीद पर उच्च स्तरीय बैठक, निर्यातकों के लिए राहत की उम्मीद

नई दिल्ली भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में अहम बातचीत शुरू हुई। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारतीय निर्यातकों पर 25 फीसदी आयात शुल्क और 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना लगा दिया है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रेंडन लिंच, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक व्यापार प्रतिनिधि कर रहे हैं। भारत की ओर से राजेश अग्रवाल, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव, मुख्य वार्ताकार हैं। यह बैठक सोमवार रात लिंच के भारत आगमन के बाद शुरू हुई। दोनों देशों के नेताओं ने फरवरी 2025 तक इस समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया था। अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, जबकि छठा दौर अगस्त में प्रस्तावित था, लेकिन अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ाए जाने के बाद स्थगित कर दिया गया। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह बैठक औपचारिक छठे दौर की नहीं है, बल्कि उसे पूर्व-विचार विमर्श के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारी ने यह भी बताया कि भारत और अमेरिका के बीच साप्ताहिक वर्चुअल बैठकें भी जारी हैं।

भारत में क्रिप्टो करेंसी की खरीद रिकॉर्ड स्तर पर पिछले वर्ष की तुलना में 50 फ़ीसदी वृद्धि

मुंबई

भारत में क्रिप्टो करेंसी की मांग और निवेश बढ़ता चला जा रहा है। भारत में क्रिप्टो करेंसी को अभी कोई वैधानिक दर्जा नहीं मिला है। इसके बाद भी क्रिप्टो करेंसी का कारोबार बढ़ता चला जा रहा है। निवेशकों का रुझान क्रिप्टो करंसी की ओर बढ़ रहा है।

क्रिप्टो करंसी में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2025 की प्रथम छमाही मे रिटेल और कॉर्पोरेट द्वारा बड़े पैमाने पर क्रिप्टो करेंसी पर निवेश किया जा रहा है।

क्रिप्टो करेंसी के कारोबार में लगे विशेषज्ञों के अनुसार 2024 की प्रथम छमाही की तुलना में 2025 की प्रथम छमाही में क्रिप्टो करंसी में निवेश 1071 गुना बढा है। पिछले 2 महीने में ही लगभग 49 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है।

भारत ने क्रिप्टो करेंसी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। भारत पहले नंबर पर है। अमेरिका दूसरे नंबर पर है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। पिछले 6 महीने में यह कारोबार 1.4 लाख डालर से बढ़कर 2.36 लाख करोड डॉलर पर पहुंच गया है। क्रिप्टो करेंसी के कारोबार में भारत के अलावा वियतनाम और पाकिस्तान जैसे देशों में निवेश लगातार बढ़ रहा है।

क्रिप्टो करेंसी के कारोबार में पहले बड़ी-बड़ी कंपनियों और अभिजात्य वर्ग के बड़े निवेशक ही रुचि लेते थे। अब पटना लखनऊ जैसे छोटे शहरों से भी क्रिप्टो करेंसी में निवेश बढ़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 11.9 करोड़ से अधिक क्रिप्टो करेंसी कारोबार मे निवेशक हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार का क्रिप्टो करेंसी के कारोबार में आ जाने के बाद से क्रिप्टो करंसी बिटकॉइन में तेजी के साथ निवेश बढा है। बिटकॉइन का नियमित कारोबार 35.24 बिलियन डालर पर पहुंच गया है। पिछले 11 महीना में बिटकॉइन के रेट में लगभग 54 फ़ीसदी का उछाल आया है।

रिकॉर्ड स्तर के बाद सोना-चांदी के दामों में नरमी

- सोने का भाव 1,10,100 से ज्यादा और चांदी लगभग 1,29,300 प्र ति किलो

नई दिल्ली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी के वायदा भावों में मंगलवार को नरमी दर्ज की गई। सोमवार को रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते भावों में हल्की गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अक्टूबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट ने 1,10,277 प्रति 10 ग्राम पर शुरुआत की, जो पिछले बंद 1,10,179 रुपए के मुकाबले 98 ऊपर था। हालांकि इस समय तक यह 49 रुपए की गिरावट के साथ 1,10,130 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान सोने ने 1,10,277 का उच्चतम और 1,10,070 का न्यूनतम स्तर छुआ। सोमवार को यह 1,10,330 रुपए पर पहुंचकर अब तक का सर्वोच्च स्तर बना चुका है। वहीं चांदी के दिसंबर वायदा भाव की शुरुआत 1,29,336 रुपए प्रति किलो पर हुई, जो पिछले बंद से 94 रुपए कम थी। कारोबार के दौरान चांदी 1,29,214 रुपए के न्यूनतम और 1,29,390 रुपए के उच्चतम स्तर के बीच रही। इस समय तक यह 1,29,320 रूपए पर कारोबार कर रही थी, जो 109 रुपए की गिरावट दर्शा रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दबाव देखने को मिला। सोना 3,720.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 3.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,715.70 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। चांदी की शुरुआत 43.20 डॉलर पर हुई, जो 42.95 डॉलर पर आ गई। विशेषज्ञों के अनुसार ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली के चलते बाजार में यह नरमी आई है।

कच्छ की धरती पर हरित ऊर्जा की जंग अंबानी बनाम अदाणी

- गुजरात में देश की सबसे बड़ी ग्रीन एनर्जी परियोजना की होड़

- अंबानी और अदाणी के बीच दिखी अलग-अलग रणनीति

- छोटे उद्यमों पर गहराया संकट

नई दिल्ली

गुजरात के कच्छ जिले की बंजर जमीन अब भारत की हरित ऊर्जा क्रांति का केंद्र बनने जा रही है। देश के दो सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी यहां दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन एनर्जी परियोजनाएं स्थापित करने की होड़ में हैं। दोनों समूहों के पास इस इलाके में लगभग 5 लाख एकड़ जमीन है, जहां से 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा पैदा की जा सकती है जो जापान की कुल बिजली क्षमता के बराबर है। हाल ही में एक रिसर्च रिपोर्ट ने इसे ÷रीजन आफ कच्छ÷ करार दिया है, जो दर्शाता है कि यह इलाका भारत की ऊर्जा राजनीति का प्रमुख केंद्र बनने वाला है। हालांकि दोनों कंपनियों का लक्ष्य एक है, भारत को ग्रीन एनर्जी लीडर बनाना लेकिन उनकी रणनीतियां अलग-अलग हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पारंपरिक तेल-गैस कारोबार से हरित ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाया है। कंपनी कच्छ में 20 गीगावाट क्षमता की सौर मॉड्यूल फैक्ट्री बना रही है, जिसमें अत्याधुनिक एचजेटी तकनीक का उपयोग होगा। इसके साथ ही कंपनी 40 गीगावाट-घंटे की बैटरी फैक्ट्री भी तैयार कर रही है, जिसे भविष्य में 100 गीगावाट-घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। अंबानी का लक्ष्य है कि 2032 तक हर साल 30 लाख टन हरी हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाए। इसके अलावा रिलायंस गूगल और मेटा जैसी टेक कंपनियों के साथ साझेदारी में हरित ऊर्जा से संचालित डेटा सेंटर स्थापित कर रही है। दूसरी ओर, अदाणी समूह अपनी पारंपरिक ताकत पावर ट्रांसमिशन और ग्रिड नेटवर्क का उपयोग कर रहा है।

अदाणी ग्रीन इनर्जी के पास पहले से ही कई बड़े बिजली खरीद समझौते हैं। वहीं अदाणी ट्रांसे मिशन देश का सबसे बड़ा निजी ट्रांसमिशन नेटवर्क चला रहा है। अदाणी का फोकस इन्फ्रास्ट्रक्चर और वितरण नेटवर्क पर है। साथ ही, कंपनी एआई सक्षम डेटा सेंटर भी स्थापित कर रही है। हालांकि इस प्रतिस्पर्धा से छोटे और मझोले उद्यमों पर संकट गहरा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अगर आयात प्रतिबंध और नीतिगत समर्थन बड़े खिलाड़ियों को मिलता रहा, तो रिलायंस और अदाणी वेयर निर्माण क्षमता का 50 फीसदी और पॉलीसिलिकॉन का 90 फीसदी नियंत्रित कर सकते हैं। इससे वारी एनर्जीज, प्रीमियर एनर्जीज जैसी कंपनियों के लिए बाजार में टिकना कठिन हो जाएगा। दोनों समूहों के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं।

रिलायंस को ग्रिड कनेक्शन की कमी और हाइड्रोजन उत्पादन की लागत से जूझना होगा, जबकि अदाणी की कोयला आधारित परियोजनाएं उसकी हरित ऊर्जा छवि को नुकसान पहुँचा सकती हैं।

फिर भी अगर दोनों कंपनियाँ अपने लक्ष्य पूरे करती हैं, तो यह न केवल उन्हें अरबों डॉलर की कमाई दिलाएगा, बल्कि भारत को हरित ऊर्जा महाशक्ति बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से भारी निकासी की

- पिछले सात हफ्तों में भारत फोकस्ड फंड्स से करीब 1.9 अरब डॉलर निकाले

नई दिल्ली

पिछले सात हफ्तों में भारत फोकस्ड फंड्स से करीब 1.9 अरब डॉलर यानी लगभग 16 हजार करोड़ रुपये विदेशी निवेशकों ने निकाले हैं। यह एक साल में दूसरी बार बड़ी निकासी है, पहले अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच 4.4 अरब डॉलर का आउटफ्लो हुआ था। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि वैश्विक निवेशक भारत के प्रति अनिश्चितता दिखा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जापान जिसे भारत का भरोसेमंद निवेशक माना जाता था, उसने अक्टूबर 2024 से अब तक 1.1 अरब डॉलर निकाले हैं। जनवरी 2023 से सितंबर 2024 तक जापानी फंड्स ने भारत में 9 अरब डॉलर लगाए थे। अमेरिकी निवेशकों ने सबसे ज्यादा पैसा निकाला है, लगभग 1.02 अरब डॉलर। लक्जमबर्ग, ब्रिटेन और जापान के निवेशकों ने भी निकासी की। विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सबसे बड़ा असर लार्ज-कैप स्टॉक्स पर पड़ा है। जुलाई 2025 से अब तक लार्ज-कैप फंड्स से 1.7 अरब डॉलर निकाले गए हैं। इसके अलावा एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स से 1.08 अरब डॉलर और फंड्स से 776 मिलियन डॉलर बाहर गए हैं। विदेशी निकासी के बावजूद घरेलू निवेशकों ने म्युचुअल फंड्स और एसआइपी के जरिए लगातार पैसा निवेश किया है। घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से बाजार में स्थिरता बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापारिक तनाव और टैरिफ का दबाव बना रहने तक विदेशी निवेश की निकासी जारी रह सकती है। वहीं निवेशक सोने और कमोडिटी फंड्स की तरफ रुख कर रहे हैं। इस हफ्ते कमोडिटी फंड्स में 1.19 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो पिछले वर्षों में सबसे बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

सात्विक ग्रीन एनर्जी का 900 करोड़ का आईपीओ 19 को खुलेगा

- मूल्य दायरा 442-465 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली हरियाणा स्थित सौर पैनल निर्माता सात्विक ग्रीन एनर्जी 19 सितंबर को अपना 900 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लॉन्च करेगी, जो 23 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने प्रति शेयर मूल्य दायरा 442 से 465 रुपए तय किया है, जिसके उच्च स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 5,910 करोड़ रुपए होगा। इस आईपीओ में 700 करोड़ रुपए के नए शेयर और 200 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। कंपनी आईपीओ से मिली राशि में से 477.23 करोड़ रुपए का उपयोग ओडिशा के गोपालपुर औद्योगिक पार्क में 4 गीगावाट क्षमता का सौर पीवी मॉड्यूल प्लांट लगाने में करेगी। साथ ही 166.44 करोड़ रुपए अनुषंगी कंपनियों में निवेश कर उनके कर्ज का भुगतान करेगी। एंकर निवेशक 18 सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ भारत की ग्रीन एनर्जी में तेजी से हो रहे विस्तार का हिस्सा है।

जीएसटी दरों में कटौती से पहले एफएमसीजी कंपनियों ने दी भारी छूट

- 22 सितंबर से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के चलते प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां 21 सितंबर तक खुदरा विक्रेताओं को भारी छूट दे रही हैं। 22 सितंबर 2025 से नई जीएसटी दरें प्रभावी होंगी, जिनके तहत कई उत्पादों पर कर दर घटकर 5 प्रतिशत रह जाएगी। इस बदलाव से पहले कंपनियां अपने पुराने स्टॉक को तेजी से बेचने के लिए आकर्षक ऑफर लेकर आई हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने 20 सितंबर तक 'रिटेलर बोनांजा' स्कीम के तहत लक्स, डव, लाइफबॉय जैसे साबुनों पर 4 से 7 फीसदी तक की छूट दी है। इसके अलावा शैंपू पर 10 से 20 प्रतिशत और हेयर ऑयल ब्रांड्स पर 7 से 11 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। स्किनकेयर ब्रांड्स जैसे पॉन्ड्स और लक्मे पर 11 प्रतिशत तथा टूथपेस्ट ब्रांड पेप्सोडेंट और क्लोजअप पर 8 प्रतिशत की छूट मिल रही है। डाबर इंडिया ने डाबर रेड टूथपेस्ट और मिसवाक पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट की घोषणा की है। वहीं पीऐंडजी इंडिया ने अपने ब्रांड्स जैसे हेड ऐंड शोल्डर्स, पैंटीन, ओरल-बी और विक्स पर 'नेवर बिफोर जीएसटी स्पेशल ऑफर' के तहत छूट दी है। पैम्पर्स पर भी 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिल रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, आईटीसी भी अपने रिटेल चैनलों को छूट दे रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 594 , निफ्टी 169 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 594.95 अंक बढ़कर 82,380.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 169.90 अंक ऊपर आकर 25,239.10 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान अधिक सूचकांकों में तेजी रही। स्मॉलकैप, मिडकैप और लार्जकैप शेयरों में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 313.45 अंक की तेजी के साथ 58,799.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 171.35 अंक बढ़कर 18,298.35 पर था।

बाजार में तेजी वाहन शेयरों के कारण रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.44 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.86 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 1.02 फीसदी की तेजी का साथ बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, बीईएल, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर गिरे हैं। अमेरिकी फेड के ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की उम्मीद से भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

इसके अलावा भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता शुरू होने से भी निवेशकों का उत्साह बढ़ा हुआ है। इससे भी बाजार को बल मिला। ऑटो और उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में विशेष तेजी रही।इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 65 अंकों की तेजी के साथ 81,852.11 पर खुला और शुरुआती कारोबार

में 137 अंक बढ़कर 81,922.96 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 भी 25,073.60 पर खुलने के बाद 45.95 अंकों की तेजी के साथ 25,115 पर कारोबार करता दिखा। बाजार की नजर इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर फैसले पर टिकी है। वॉल स्ट्रीट पर इस हफ्ते होने वाली फ़ेडरल रिज़र्व की बैठक से पहले अमेरिकी शेयर बाज़ार बढ़त के साथ बंद हुए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.5 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 6,600 के पार 6,615.28 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट इंडेक्स 0.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 22,348.75 पर पहुंच गया। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.1 फीसदी बढ़कर 45,883.45 पर पहुंच गया।

खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं.....भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा

'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' में बोले कृषि मंत्री

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश में खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं होगी और भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा। दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' को संबोधित कर कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश में कृषि 3.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे अधिक है, और इसका श्रेय हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य एकजुट हैं और हमारे राष्ट्र, हमारे लोगों और हमारे किसानों के लिए, हम पूरी ताकत से मिलकर काम करते करने वाले हैं, क्योंकि उनका कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी मिली है। हम साधारण लोग नहीं हैं। हम वे लोग हैं जो देश की आधी आबादी का भाग्य

गढ़ते हैं। हमें पूरी लगन से काम करना होगा। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि अब केवल सभी मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले बायो-स्टिमुलैंट्स (पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाले) ही बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

केंद्र के साथ मिलकर सभी राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सभी संबंधित संगठनों को ठोस कार्यक्रम और रणनीति तैयार करनी चाहिए और जमीनी स्तर पर तेजी से काम करना चाहिए। अधिकारियों को अपने काम में मूल्यवर्धन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौसम का अब पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जाना चाहिए और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

बासमती चावल के कारण यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता अटका

भारत और पाकिस्तान दोनों की बासमती चावल पर दांवा कर रहे

नई दिल्ली भारत और पाकिस्तान के बीच बासमती चावल को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है, जिसका असर यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर पड़ रहा है। दोनों देश बासमती नाम के इस्तेमाल पर विशेष अधिकार का दावा करते आए हैं। भारत और पाकिस्तान दुनिया में बासमती चावल के दो प्रमुख निर्यातक हैं। भारत के पास इसकी 34 किस्में हैं, जबकि पाकिस्तान 24 किस्मों का उत्पादन करता है। बासमती नाम के इस्तेमाल से उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा कीमत वसूलने का फायदा मिलता है।भारत ने 2020 में यूरोपीय संघ में बासमती चावल के लिए जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग का आवेदन किया था। भारत का कहना है कि बासमती की उत्पत्ति हिमालय की तलहटी में गंगा के मैदानी इलाकों में हुई, जो पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फैले हैं। भारत के अनुसार इसकी सुगंध, स्वाद और लंबे दाने क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं से जुड़े हैं। वहीं पाकिस्तान भारत के दावे का विरोध कर तर्क देता है कि विभाजन से पहले यह चावल अविभाजित पंजाब में उगता था, इसलिए यह दोनों देशों की साझा विरासत है। पाकिस्तान को आशंका है कि यदि भारत को जीआई टैग मिल गया, तब उसके निर्यात को गहरा नुकसान होगा। इसी कारण पाकिस्तान ने 2020 में अपना जीआई एक्ट बनाया और 2021 में अपने बासमती को जीआई टैग दिया। 2023 में पाकिस्तान ने यूरोपीय संघ में अपना आवेदन भी दायर किया, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के चार जिलों को भी शामिल किया गया।यूरोपीय संघ में भारत का आवेदन विचाराधीन है और पाकिस्तान ने उस पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई है। अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान के दावे को मान्यता देना भारत की संप्रभुता पर सवाल खड़ा कर सकता है, इसलिए ब्रुसेल्स इस पर सावधानी बरत रहा है। विवाद केवल यूरोपीय संघ तक सीमित नहीं है बल्कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी इसी तरह की दिक्कतें सामने आई हैं।भारत दुनिया का सबसे बड़ा बासमती निर्यातक है और वैश्विक बाजार का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा उसके पास है। पाकिस्तान शेष बाजार में हिस्सेदारी रखता है। हाल ही में भारत ने ईरान को 6,374 करोड़ रुपये का बासमती निर्यात किया, जो उसके कुल निर्यात का 12.6 प्रतिशत था।

यूपीआई से बिना एटीएम कार्ड के कैश निकासी जल्द होगी संभव

- नई सुविधा से आसान होगी कैश निकासी

नई दिल्ली

अब आपको एटीएम कार्ड या बैंक शाखा तक जाने की जरूरत नहीं होगी। जल्द ही यूपीआई के जरिए आप अपने नजदीकी बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के आउटलेट से सीधे कैश निकाल सकेंगे। यह सुविधा खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों के लोगों के लिए मददगार साबित होगी, जहां बैंकिंग सुविधाएं कम होती हैं। इस नए सिस्टम में आपको बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के आउटलेट पर लगे क्यूआर कोड को अपने यूपीआई ऐप से स्कैन करना होगा।

फिर आप जितनी राशि निकालना चाहते हैं, वह भरेंगे और अपना यूपीआई पिन डालेंगे। आपकी राशि सीधे आपके बैंक खाते से कॉरेस्पोंडेंट के खाते में ट्रांसफर हो जाएगी। इसके बाद आप उनसे नकद राशि ले सकेंगे। पहले भी कुछ चुनिंदा एटीएम पर कार्डलेस कैश निकासी संभव थी, लेकिन वह सुविधा सीमित और बायोमेट्रिक या कार्ड पर निर्भर थी। नया सिस्टम बिना फिंगरप्रिंट या एटीएम कार्ड के भी काम करेगा। इससे उन लोगों को काफी फायदा होगा जिन्हें कार्ड या बायोमेट्रिक इस्तेमाल करने में दिक्कत होती है। इस नई सेवा को लागू करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी का इंतजार है। एनपीसीआई (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) जल्द से जल्द इसे शुरू करना चाहता है ताकि डिजिटल भुगतान के दायरे को बढ़ाया जा सके और बैंकिंग सुविधाओं से दूर रहने वाले लोग भी आसानी से कैश निकाल सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना फिर से बनीं नंबर 1

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़कर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है।

बाएं हाथ की इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने 63 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली और इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर वह स्थान फिर से हासिल कर लिया है जो उन्होंने पहली बार जनवरी 2019 में हासिल किया था और हाल ही में इस साल जुलाई में हासिल किया था। शीर्ष पर यह उनका चौथा कार्यकाल है।

ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की और यह शानदार जीत उनकी खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी दिखाई दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी ने 74 गेंदों में नाबाद 77 रनों की पारी खेली जिससे वह तीन पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। एनाबेल सदरलैंड अपनी नाबाद 54 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 25वें स्थान पर पहुंच गई। वह सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। फोएबे लिचफील्ड ने 80 गेंदों पर 88 रनों की पारी खेलकर 13 पायदान ऊपर चढ़कर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी।

मंधना के अलावा ताजासासाहिक अपडेट में जिन भारतीय बल्लेबाजों को फायदा हुआ है उनमें ऋचा घोष शामिल हैं जो अपनी 25 रनों की पारी के बाद 39वें से 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल 96 गेंदों पर 64 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरलीन देओल 57 गेंदों पर 54 रनों की पारी के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ और अलाना किंग क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सदरलैंड ने दो पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गई हैं। तीनों ने एक-एक विकेट लिया है। भारत की स्नेहा राणा पांच स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम की मुख्य प्रयोजक बनी अपोलो टायर्स : बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दिग्गज कंपनी अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की नई मुख्य प्रायोजक बनी है। बोर्ड के अनुसार ओपोलो ने प्रमुख प्रायोजक के रूप में ड्रीम 11 की जगह ली है। ऑनलाइन गैमिंग पर प्रतिबंध के बाद ड्रीम 11 को प्रायोजक से हटना पड़ा था। बीसीसीआई और आपोलो टायर्स के बीच ढाई साल के लिए करार हुआ है ये मार्च 2028 तक रहेगा। इस करार के अनुसार, अपोलो टायर्स का लोगो सभी प्रारूपों में भारतीय पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों की जर्सी पर रहेगा।

बीसीसीआई ने कहा कि अपोलो टायर्स पहली बार भारतीय क्रिकेट से जुड़ा है। बोर्ड ने का कि कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद अपोलों को ये करार मिला है। ये साझेदारी प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जो भारतीय क्रिकेट की व्यापक और बढ़ती व्यावसायिक अपील को प्रदर्शित करती है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रायोजक के रूप में आना हमारी टीमों की कड़ी मेहनत और निरंतर प्रदर्शन को दिखाता है। हम भारतीय क्रिकेट में अपोलो के प्रायोजन को लेकर उत्साहित हैं, जो इस खेल की अद्वितीय पहुंच और प्रभाव को दिखाता है। यह एक व्यावसायिक समझौते से कहीं बढ़कर है। यह दो संस्थानों के बीच एक साझेदारी है, जिन्होंने लाखों लोगों का विश्वास और सम्मान हासिल किया है।

वहीं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। यह एक अहम अवसर है, जो भारत की दो सबसे शक्तिशाली और स्थायी विरासतों भारतीय क्रिकेट की अटूट भावना और अपोलो टायर्स की अग्रणी विरासत, को एक साथ ला रहा है। ये बीसीसीआई और टीम इंडिया के वैश्विक ब्रांड में बाजार के मजबूत विश्वास को दिखात है। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी आपसी विकास और सफलता के लिए प्रेरक साबित होगी।

वहीं अपोलो टायर्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नीरज कंवर ने कहा, टीम इंडिया का प्रमुख प्रायोजक बनना हमारे लिए सम्मान की बात है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मान: दलीप ट्रॉफी जीत के बाद बोले पाटीदार

बेंगलुरु (एजेंसी)। रजत पाटीदार ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इंडियन प्रीमियर लीग का पहला खिताब दिलाया था और हाल ही में दलीप ट्रॉफी जीतने में सेंट्रल जोन की मदद की। पाटीदार का मानना है कि इस अनुभव ने उनकी नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त विकास किया है। यह स्टार बल्लेबाज अब 30 सितंबर से शुरू हो रही ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए इसी सीख का लाभ उठाना चाहता है।

पाटीदार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ सीरीज के लिए भारत 'ए' टीम की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि यह मेरे और टीम के लिए एक शानदार मौका है कि हम अपनी क्षमता का प्रदर्शन करें और अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हों।'

उन्होंने कहा, 'एक तरह से यह साल मेरे लिए निजी तौर पर बेहद खास रहा है, क्योंकि मैदान पर मेरी क्षमताओं को पहचाना गया और मुझे पुरस्कृत भी किया गया। इसकी शुरुआत प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मध्य प्रदेश राज्य टीम की कप्तानी से हुई और ऋषक्रने मुझे इस प्रतिष्ठित टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी। ट्रॉफी जीतना तो सोने पे सुहागा था और इस दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला जिसका मुझे आगे चलकर फायदा मिलेगा।'

पाटीदार ने आगे कहा, 'एक टीम के कप्तान के तौर पर यह इस बारे में है कि हम एक इकाई के रूप में कैसे एकजुट होते हैं और एक-दूसरे के लिए जान देने को तैयार रहते हैं। इस सीजन में RCB में हमारा यही सौहार्द और विश्वास था, जहां हम सभी ने एक-दूसरे के लिए कदम बढ़ाया और सफलता के लिए मिलकर काम किया। भारत 'ए' के खिलाफ होने वाले मैच में भी हम इसी तरह का रवैया अपनाना चाहेंगे। मैं उत्साहित हूं और नई चुनौती का इंतजार कर रहा हूं।'

विश्व चैंपियनशिप में अब नीरज चोपड़ा पर निगाह, खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे

तोक्यो (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा बुधवार को यहां क्वालीफिकेशन राउंड के साथ विश्व चैम्पियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे जिसमें उन्हें पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम और जर्मनी के डायमंड लीग चैंपियन जूलियन वेबर की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। चोपड़ा का लक्ष्य पुरुष भाला फेंक में विश्व चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा। नीरज चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में आयोजित की गई पिछली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्तमान में चोपड़ा के कोच जान जेलेंजी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) ने ही अब तक लगातार दो मौकों

पर विश्व चैंपियनशिप का ताज जीता है। चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार नदीम का सामना करेंगे जिससे उन्हें फ्रांस की राजधानी में दूसरे स्थान पर रहने का बदला लेने का मौका मिलेगा। नदीम ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा का उस दिन सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर था और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। चोपड़ा और नदीम का मुकाबला बुधवार को नहीं होगा क्योंकि दोनों प्रतिद्वंद्वियों को क्वालीफाइंग दौर में दो अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। गुरुवार को फाइनल में उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है। भारत के 27 वर्षीय खिलाड़ी के लिए स्वर्ण पदक जीतना आसान नहीं होगा लेकिन यह वही स्टेडियम है जहां उन्होंने 2021 में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर थ्रो के साथ प्रतिष्ठित 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था, लेकिन अन्य प्रतियोगिताओं में इस साल इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ औसत दूरी भी तय की है। वह दो प्रतियोगिताओं में 85 मीटर की दूरी पार करने में असफल रहे थे। इस वर्ष उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो 88.16 मीटर था। फॉर्म के लिहाज़ से वेबर स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदार हैं। इस 31 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इस साल तीन बार 90 मीटर से ज्यादा की दूरी तक भाला फेंका है। पिछले महीने डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के बाद वह आत्मविश्वास से भरे होंगे।

आईसीसी ने मैच रैफरी को हटाने की मांग ठुकरायी, पीसीबी को करारा झटका

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को एशिया कप से हटाने की मांग ठुकरा दी है। पीसीबी ने मैच रैफरी पर आचार संहित उल्लंघन का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि मैच रैफरी ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से कहा था कि वह भारतीय कप्तान से हाथ नहीं मिलाये। इस मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली से हाथ नहीं मिलाया था। वहीं मैच खत्म होने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था और ड्रेसिंग रूम का दरवाजा भी बंद कर लिया था। इसी को पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती माना है। पीसीबी इस मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और धमकी दी थी कि अगर मैच रैफरी को नहीं हटाया जाता है तो वह एशिया कप का बहिष्कार करेंगे। वहीं आईसीसी ने पीसीबी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी को बता दिया है कि मैच रैफरी को नहीं हटाया जाएगा। पीसीबी, पाइक्रॉफ्ट की उस भूमिका से नाराज है, जिसमें उन्होंने सलमान को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कहा था।

अमन सहरावत अधिक वजन के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के लिए आयोग्य हुए

जगरेब । ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान अमन सहरावत वजन वर्ग में अधिक पाये जाने के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भाग नहीं ले पायेंगे। अहम को इसके लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अमन ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीता था। गौरतलब है कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक ज्यादा वजन ही स्वीकार्य होता है पर विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में कोई राहत नहीं दी जाती है। गौरतलब है कि तय मानक से अधिक वजन होने के कारण ही पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश फोगाट को खिताबी मुकाबले से ठीक पहले बाहर कर दिया गया था। भारतीय दल के अनुसर अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं रख पाये। उनका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था जो स्वीकार्य नहीं था।

अभी दो बार फिर आमने-सामने का सकती हैं भारत-पाक टीम

दुबई । एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने दूसरे ही मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हरा दिया है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई को हराया था। इससे अब भारतीय टीम का सुपर फोर में पहुंचना तकरीबन तय हो गया है। भारतीय टीम को आगे भी पाक से दो मैच खेलने पड़ सकते हैं। भारतीय टीम को 19 सितंबर को अबुधाबी में अपना आखिरी लीग मैच ओमान से खेलना है। इस मुकाबले को भारतीय टीम अगर जीत ले और पाकिस्तान अपने अंतिम लीग मैच में यूएई को हरा दे तो फिर भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर 21 सितंबर को सुपर फोर मैच में आमने-सामने आ सकती हैं। इसका कारण है कि एशिया कप ग्रुप ए की शीर्ष दो टीमों के सुपर फोर मैच उसी दिन खेले जाने हैं। सुपर फोर मैच में भारत और पाकिस्तान की टीमें फिर दुबई में खेल सकती हैं। वहीं अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें अगर सुपर फोर मैच में शीर्ष 2 में रहती हैं तो ऐसी स्थिति में 28 सितंबर को फाइनल में एक बार फिर इन्हें खेलना पड़ सकता है। .दोनो ही टीमें अभी ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय टीम के दो मैचों से चार अंक हैं वहीं पाकिस्तान के दो मैचों में दो अंक हैं। भारत ने जहां पहले मैच में यूएई वहीं पाक ने ओमान को हराया।

ऑस्ट्रेलिया खिलाफ सीरीज में वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। इसमें कोई शक नहीं कि असली परीक्षा यहीं से शुरू होगी। पहले वनडे में आठ विकेट से शानदार जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम एक और सीरीज जीत के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। भारत के खिलाफ पिछले दस मुकाबलों में से नौ में जीत, और कुल 57 में से 47 में जीत। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो चैंपियन होने का प्रमाण देता है।

भारत को नजरअंदाज मत कीजिए। वे पहले मैच में भले ही जीती न हो, लेकिन हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे हैं। स्मृति मंधाना और युवा प्रतिका रावल ने शीर्ष क्रम में 117 रनों की शानदार साझेदारी करके एक आक्रामक स्कोर की नींव रखी। मंधाना के कवर पर लगाए गए शानदार ड्राइव और रावल के तेज गेंदबाजों के सामने संयम ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हरलीन देओल ने शानदार अर्धशतक लगाकर स्कोरबोर्ड को गतिमान रखा और दिखाया कि भारत में ऑस्ट्रेलिया को हराने की क्षमता है।

हरमनप्रीत के एनाबेल सदरलैंड की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट होने सहित कई विकेट गिरने से भारत की बढ़त थम गई। ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने उपयोगी प्रदर्शन किया, लेकिन 281 के लक्ष्य के लिए मैदान पर हमेशा ही तेज प्रदर्शन की जरूरत होती है और यहीं पर बात बिगड़ गई। चार कैच छूटने और कुछ बेतरतीब गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी रणनीति बनाने की आजादी दे दी।

21 साल की फोबे लिचफील्ड जगह की मालकिन लग रही थीं। उन्होंने पिच को सपाट और गेंदबाजी को बेअसर बना दिया, 80 गेंदों पर 88 रन ठोक डाले, तेज और स्पिन दोनों के खिलाफ पूरी ताकत से खेली। बेथ मूनी ने शांतचित्त होकर नाबाद 77 रनों की पारी खेली, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शांत और कुशल बल्लेबाजी करते हुए बिना किसी नाटकीय अंदाज के लक्ष्य हासिल कर लिया। एलिस पेरी का रिटायरमेंट

का दर्द भी ऑस्ट्रेलिया को नहीं रोक सका, उनकी टीम में इतनी मजबूती है।

दूसरे मुकाबले में भारत को पहली गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाना होगा। हरमनप्रीत को बल्ले से अगुवाई करनी होगी। उनके रन मंधाना, रावल और देओल को मजबूती से आगे बढ़ा सकते हैं। जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा को बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के दबाव का सामना करना होगा। गेंद पर दीप्ति शर्मा का नियंत्रण, स्नेह राणा का ऑलराउंड प्रदर्शन और क्रांति गौड़ का विकेट लेने का हुनर अहम हैं। अगर उन्हें लिचफील्ड और मूनी पर लगाम लगानी है तो उन्हें संयम बनाए रखना होगा और अपनी लेंथ पर गेंद फेंकनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए रणनीति सरल है। वही करते रहो जो वे सालों से करते आ रहे हैं। एलिसा हीली की आक्रामक शुरुआत, पेरी का क्लास, गार्डनर का ऑलराउंड प्रदर्शन और सदरलैंड का बढ़ता कद उन्हें एक ऐसी टीम बनाता है जिसमें कोई कमी नहीं दिखती। अलाना किंग की चतुराई भरी स्पिन और जॉर्जिया वेयरहैम की विविधता को इसमें जोड़ दें तो वे हर विभाग में दबदबा बना सकते हैं। क्रिकेट के एक बेहतरीन दिन के लिए परिस्थितियां तैयार दिख रही हैं। चमकीला आसमान, 30एष्ट तापमान और पिच हर किसी के लिए कुछ न कुछ देती है। शुरुआत में अच्छी उछाल, तेज गेंदबाजों के लिए कुछ और खेल आगे बढ़ने के साथ थोड़ा टर्न भी। आउटफील्ड तेज है इसलिए अगर बल्लेबाज बहादुरी से खेलते हैं तो रन जरूर बनेंगे।

गौर है कि भारत के लिए सीरीज दांव पर है इसलिए उनसे जोरदार वापसी की उम्मीद हैं। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य जीत का दरवाजा बंद करके अपनी चमक बरकरार रखना होगा। यह इरादे कौशल और दबाव से भरपूर एक मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एक असली भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला और जैसा कि कहा जाता है, जब ये दोनों टीमें मिलती हैं तो चिंगारी उड़ती है।

शोएब अख्तर ने पाक कप्तान पर कसा संज सूर्यकुमार की प्रशंसा की

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाक टीम के कप्तान सलमान अली पर निशाना साधा है। अख्तर ने सलमान पर तंज कसते हुए उन्हें आइंस्टीन तक कह दिया। अख्तर ने कहा कि आगा ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच में पहले बल्लेबाजी कर सबसे बड़ी गलती की थी। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार आगा ने पहले बल्लेबाजी चुनी थी जबकि हालातों के अनुसार उनको पहले गेंदबाजी लेनी थी। शोएब ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के रवैये की जमकर प्रशंसा की। इस मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। पाकिस्तान की टीम ने 127 रन 9 विकेट बनाये। वहीं भारतीय टीम ने 16वें ओवर में ही 128 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के आगे बेबस नजर आये। कुलदीप यादव ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए। अख्तर के अनुसार दुबई की पिच स्पिनरों की सहायता कर रही है और लक्ष्य का पीछा करना आसान था पर आगा ने इसके बाद भी पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। अख्तर ने एक वीडियो में कहा, 'उनको शुभकामनाएं। सूर्यकुमार ने पूरी पिच रिपोर्ट पहले ही बना ली थी। उसने कहा, बाद में ओस गिरेगी। ऐसे में बल्लेबाजी आसान होती है। हमारी बल्लेबाजी लंबी है। हम लक्ष्य का पीछा ही करना चाहते थे। हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे पर हमारे आइंस्टीन ने कहा कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी है।' इस मैच की दूसरी गेंद पर ही पाक का पहला विकेट गिर गया था। इसके बाद पाक टीम संभल नहीं पाई, जबकि पूरे मैच को भारतीय टीम हावी रही।

डुप्लांटिस ने 14वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता

टोक्यो (एजेंसी)। वह कूद पड़ा, वह चिल्लाया, उमस भरी सोमवार की रात टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में 50,000 से ज्यादा दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसने अपनी बाहें फैला दीं। आर्मंड डुप्लांटिस ने फिर जीत हासिल की। और एक बार फिर, उसने विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। फरवरी 2022 के बाद से यह 14वीं बार था जब इस स्वीडिश खिलाड़ी ने पुरुषों की पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड को फिर से बनाया, जब यह 'सिर्फ' 6.17 मीटर था।

विश्व खिताब तो आसानी से मिल गया था। डुप्लांटिस ने 5.75, 5.85, 5.95, 6.00 और 6.10 मीटर की दूरी आसानी से पार करने के बाद, पहले ही प्रयास में 6.15 मीटर की ऊंचाई पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। लेकिन रिकॉर्ड ऊंचाई की बात ही कुछ और थी। डुप्लांटिस ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, मैं इसे बयां नहीं कर सकता। मुझे लगा कि जापान छोड़ने का एकमात्र तरीका विश्व रिकॉर्ड बनाना ही है।'

हर असफल प्रयास ने उनके आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया। पहली कोशिश में, उन्होंने लगभग बार पार कर लिया; दूसरी कोशिश में, बार डगमगाया, लेकिन गिरने से पहले आखिरी क्षण तक टिका रहा। आखिरकार, अपने तीसरे प्रयास में, डुप्लांटिस 6.30 मीटर से ऊपर पहुंच गए - जो कि सिर्फ 27 दिन पहले उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर ज्यादा था। उन्होंने बताया, 'यही मेरी मानसिकता थी। मुझे पता था कि मेरे पास रिकॉर्ड है। जैसे ही मैं उड़ान भरता हूं - जमीन से हवा में कदम रखते ही - मुझे पता चल जाता है कि मेरी छलांग सही रहेगी या नहीं। मुझे पता चल जाता है कि मैंने पर्याप्त ऊर्जा लगाई है या नहीं, या यह वास्तव में कारगर नहीं होगा।'

सिर्फ 25 साल की उम्र में डुप्लांटिस ने सब कुछ जीत लिया है। चार साल पहले टोक्यो के इसी स्टेडियम में, लेकिन महामारी के कारण खाली सीटों के सामने, उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। तब से उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व खिताब जीते हैं, पेरिस में दूसरा ओलंपिक खिताब जीता है और अब एक और विश्व चैंपियनशिप जीत ली है, हर बार रिकॉर्ड को और ऊंचा करते हुए। टोक्यो में इस रात ने इस खेल के महानतम खिलाड़ी के रूप में उनकी विरासत को और मजबूत किया, जहां माहौल उनके प्रदर्शन से मेल खाता था। मुझे उस समय विश्व चैंपियनशिप जीतने पर गर्व है जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। विश्व रिकॉर्ड बनाना एक बोनस है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। शायद मुझे ही पता चलेगा कि पोल वॉल्ट में असल में सीमा क्या है। आज का मुकाबला लगभग एक स्वप्निल प्रतियोगिता थी।' डुप्लांटिस और बाकी प्रतियोगियों के बीच का अंतर बहुत बड़ा था। ग्रीस के इमैनुएल करालिस ने 6.00 मीटर पर रजत पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कुर्टिस मार्शल ने 5.95 मीटर पर काउंटबैक में

कांस्य पदक जीता। 2012 के ओलंपिक चैंपियन और पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक, फ्रांस के रेनॉड लाविल्लेनी 5.75 मीटर के साथ आठवें स्थान पर रहे। मार्शल, जो दो साल पहले बुडापेस्ट में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं, के लिए इस पल का हिस्सा बनना अपने आप में एक सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा, 'यह एक अद्भुत रात थी। मेरा मानना है कि यह इतिहास की सबसे उच्च स्तरीय प्रतियोगिता थी।'

ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मामले में पूर्व क्रिकेटर उथप्पा को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में उथप्पा को 22 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उथप्पा को एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ हुई थी। इस प्रकार उथप्पा इस मामले में फंसे तीसरे क्रिकेटर हैं। इसके अलावा इस मामले में पूर्व टीएमसी सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया है। वहीं बंगाली फिल्मों के अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। इस मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी बुलाया गया है। ईडी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से संबंधित मामले में कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी के साथ ही कर चोरी के मामले में भी पूछताछ कर रही है। वहीं आरोपी कंपनी के अनुसार, वह एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त फर्म है, जो सट्टेबाजी कारोबार में डेढ़ दशक से काम कर रही है। कंपनी के अनुसार, इस ब्रांड के ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं और कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध है। वहीं पिछले माह भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी गेम्स को प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसी कारण ड्रीम 11 को भी भारतीय टीम के प्रायोजक से हटा दिया गया था।

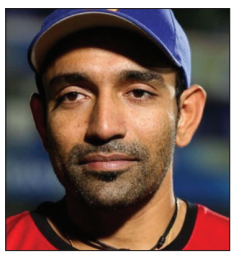

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए–पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई–न–कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी–बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे–धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत–लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदाई से पहले कई राज्यों में झमाझम बारिश करेगा मानसून, अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून अब चला-चली की बेला में है। इससे पहले कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इसके लिए मानसून विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सहित कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 3-4 दिनों तक पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा सारण, सिवान, बेगूसराय, किशनगंज, पटना और गया जैसे जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। दिल्ली का मौसम आज सुहावना बने रहने की उम्मीद है। वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों असम, सिक्किम और मेघालय में भी बारिश हो सकती है। राजस्थान से मानसून ने 15 सितंबर को ही वापसी शुरू कर दी थी। मौसम विभाग के अनुसार इस साल देशभर में सामान्य से 7प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। यूपी में भी मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 22 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। इनमें मुरादाबाद, गोरखपुर, अयोध्या, बलिया और अंबेडकर नगर जैसे जिले शामिल हैं। लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है लेकिन अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मध्य प्रदेश के खरगोन, बड़वानी, अनूपपुर, डिंडोरी और मंडला जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में भारी बारिश की संभावना है। साथ ही 24 से अधिक जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अनुमान है। देहरादून, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल जैसे जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। देहरादून में हाल ही में बादल फटने की घटना सामने आई थी जिसके बाद प्रशासन अलर्ट पर है।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, बुजुर्ग दंपति की मौत

आगरा (एजेंसी)। यूपी के आगरा में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। घर में चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे में बुजुर्ग दंपत्ति की झुलसकर मौत हो गई। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस के मुताबिक तड़के करीब पांच बजे मकान की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। जिसमें 92 वर्षीय भगवती प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी 85 वर्षीय उर्मिला देवी को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि दंपत्ति मकान की पहली मंजिल पर रहते थे, जबकि परिवार के बाकी लोग ऊपर की मंजिल पर सो रहे थे। रात को स्कूटी को घर की पहली मंजिल पर ही चार्जिंग पर लगाया गया था। सुबह अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग तेजी से फैल गई। उधर, सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों की जिंदगी नहीं बचाई जा सकी। इस दर्दनाक हादसे से परिवार और मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है।

छात्र-छात्राओं को बिना ब्याज के बिहार सरकार देगी एजुकेशन लोन : सीएम नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से नीतीश सरकार ने छात्र-छात्राओं को बिना ब्याज के एजुकेशन लोन देने का ऐलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने मंगलवार को पोस्ट के जरिए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि अभी 12वीं कक्षा पास विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एजुकेशन लोन दिया जाता है। इस पर चार फीसदी ब्याज दर लागू थी, जिसे अब पूरी तरह खत्म कर दिया है। सीएम नीतीश ने पोस्ट में लिखा कि सात निश्चय योजना के तहत बिहार में 12वीं पास छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए 2 अक्टूबर 2016 से स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत अधिकतम चार लाख रुपए का शिक्षा ऋण सामान्य आवेदक को 4 फीसदी ब्याज दर पर और महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेन्डर आवेदक को 1 फीसदी ब्याज दर पर दिया जाता है। अब इस योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले एजुकेशन लोन की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी।

जम्मू-कश्मीर में नेता पर नकाबपोश ने किया जानलेवा हमला, फायरिंग भी की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के चंदूरा इलाके में दो नकाबपोश बदमाशों ने सोमवार देर रात गुलाम नबी आजाद पार्टी से जुड़े एक स्थानीय नेता मोहम्मद यूसुफ मीर के घर गोलीबारी कर दी। इस संबंध में मीर ने चंदूरा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। मोहम्मद यूसुफ मीर ने पुलिस को बताया कि देर रात दो नकाबपोश लोग उनके घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वे उन्हें धमका रहे थे। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। मीडिया रिपोर्ट में शिकायत के मुताबिक दोनों हमलावरों के पास पिस्तौल थी और उन्होंने यूसुफ मीर के घर के पास दो राउंड फायरिंग भी की। इसके बाद मौके से फरार हो गए। यूसुफ ने पुलिस को हमले के दौरान इस्तेमाल की गई एक खाली कारतूस भी सौंपा है। पुलिस ने इसे जांच के लिए कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि दो नकाबपोश बदमाश यूसुफ मीर के घर से निकलते दिख रहे हैं। पुलिस इस फुटेज का इस्तेमाल करके हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

खाना बना रही थी महिला हेड कांस्टेबल, पति ने बेसबॉल से वार कर ले ली जान

सीधी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक पुलिस हेड कांस्टेबल महिला की हत्या कर दी गई है। वारदात को अंजाम उसके पति ने ही दिया है। घटना के वक्त महिला किचन में खाना बना रही थी, तभी पति ने पीछे से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

मादक पदार्थों की तस्करी करते पकड़े 16000 विदेशी, भारत से होंगे बाहर

देश में जारी है सक्रिय ड्रग नेटवर्क को तोड़ने और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी करते पकड़े गए 16,000 विदेशी नागरिकों को भारत से निर्वासित करने की तैयारी कर ली है। ये सभी विदेशी नागरिक अलग-अलग राज्यों में हिरासत में हैं या डिटेंशन केंद्रों में बंद हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्टों पर आधार पर की गई है, जिसका उद्देश्य देश में सक्रिय ड्रग नेटवर्क को तोड़ना और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान को मजबूत करना है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि म्यांमार, बांग्लादेश, फिलीपींस, मलेशिया, घाना और नाइजीरिया जैसे देशों के नागरिक इस सूची में शामिल हैं। इन लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और संबंधित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की उस रिपोर्ट के आधार पर की जा रही है, जिसमें इन विदेशी नागरिकों की संलिप्तता उजागर की गई थी।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि संगठित नेटवर्क के जरिए भारत को ड्रग्स का एक बड़ा ट्रांजिट हब बनाने की कोशिश की जा रही थी। सूत्रों ने बताया कि विदेशी नागरिकों की पूरी सूची गृह मंत्रालय और संबंधित एजेंसियों को सौंप दी है। अब नए आव्रजन कानून के तहत चरणबद्ध तरीके से इन सभी को उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अधिकारियों का मानना है कि यह कदम भारत में नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत में अवैध तरीके से प्रवेश कर अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। केंद्रीय एजेंसियों के मुताबिक हाल के वर्षों में विदेशी नागरिकों की संलिप्तता मादक पदार्थों की तस्करी में तेजी से बढ़ी है। खासतौर पर महानगरों और तटीय राज्यों में इनकी सक्रियता के सबूत मिले हैं। यही वजह है कि सरकार अब इन्हें देश से बाहर करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है।

केंद्र सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिए थे कि ड्रग तस्करी को राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा मानकर कार्रवाई करें। इस फैसले के तहत इन विदेशी नागरिकों को हिरासत में रखा जाएगा, जहां से उनकी डिपोर्टेशन प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

चिराग ने अफवाहों पर लगाया विराम, आगामी चुनाव में एनडीए का सीएम चेहरा नीतिश

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सरगर्मी तेज है। इस बीच एनडीए के सीएम चेहरे पर केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हर दल के कार्यकर्ता अपने नेता को सर्वोच्च पद पर देखना चाहता हैं। मगर किसी एक दल के कहने से कुछ नहीं होता है। गठबंधन के अंदर मुख्यमंत्री के चेहरे पर सभी पार्टियों की सहमति जरूरी होती है।

आगामी चुनाव में यह सहमति नीतीश कुमार के नाम पर बन गई है। उनके नेतृत्व में ही एनडीए चुनाव मैदान में उतरेगा। चिराग पासवान ने एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। दरअसल, लोजपा (रामविलास) के नेता और कार्यकर्ता पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं। पटना में हाल ही में इस संबंध में पोस्टर भी लगाए गए। इससे सियासी पारा गर्मा गया। इस पर चिराग ने दो टूक कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही सीएम उम्मीदवार हैं। इसमें कहीं कोई वैकेंसी नहीं है। पासवान ने कहा कि जब उन्होंने एनडीए में वापसी की थी, तब ही उन्हें पता था कि नीतीश ही मुख्यमंत्री उम्मीदवार रहने वाले है। उनकी फिलहाल मुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है। वह बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट पर काम कर रहे हैं। उनकी प्राथमिकता बिहार को विकसित राज्य बनाने की है। बाद के चुनावों में सीएम पद की दावेदारी पर चिराग ने कहा कि उन्होंने अपने और अपनी पार्टी के लिए कई लक्ष्य तय कर रखे हैं।

26 लोगों की जान की कीमत ज्यादा है या मैच से हुई कमाई की?

-ओवैसी का बीसीसीआई और केंद्र पर हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के बाद एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिसने हमारी बेटियों को विधवा बनाया और बच्चों को अनाथ कर दिया, उसके साथ क्रिकेट खेलना आतंकियों पर जीत का कोई पैमाना नहीं है। सांसद ओवैसी ने कहा, खेल हो या फिर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई, भारत को हर जगह जीतना चाहिए। लेकिन उन लोगों से क्रिकेट मैच खेलकर जीत का पैमाना नहीं सेट किया जा सकता। मैच से पहले भी ओवैसी ने बीजेपी की तीखी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान की कीमत ज्यादा है या मैच से हुई कमाई की?

ओवैसी ने कहा था, 'बीसीसीआई को एक क्रिकेट मैच से कितना पैसा मिलेगा, 2,000 करोड़, 3,000 करोड़ रुपये? हमें बताएं कि हमारे 26 नागरिकों की जान की कीमत ज्यादा है या पैसे की? भाजपा को हमें (पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने के फैसले पर) इस बारे में बताना चाहिए। औवैसी ने कहा था कि भाजपा हमेशा 'देश भक्ति' की बात करती है, लेकिन जब क्रिकेट मैचों की बात आती है, तब उसका रुख बदल जाता है। जब हम सिंधु जल संधि के तहत पानी रोक सकते हैं, तब फिर हम खेल कैसे सकते हैं। हम भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से पूछना चाहते हैं, उन 26 लोगों की जान की कीमत क्या है? भाजपा और संघ को जान गंवाने वाले लोग नहीं दिख रहे हैं, बस पैसा कमाना है।'

शांति और सद्भाव के साथ दुर्गा पूजा के लिए कोलकाता पुलिस ने जारी किए निर्देश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के त्योहार के मद्देनजर कोलकाता पुलिस ने शहर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने हाल ही में इस संबंध में कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस आयुक्त की यह घोषणा सोमवार को हुई मासिक बैठक में की गई, जिसमें अधिकारियों ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए कई उपायों पर चर्चा की।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने विशेष रूप से यह निर्देश दिया है कि हर थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और वे सही से काम कर रहे हैं या नहीं। इन सभी रिपोर्ट्स को तुरंत लालबाजार (शहर पुलिस मुख्यालय) भेजने का आदेश भी दिया गया है। इसके अलावा, कोलकाता पुलिस की खुफिया विभाग को भी सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। वॉच सेक्शन से लेकर एंटी-रोडी सेक्शन और महिला बटालियन तक को हमेशा तैयार रहने को कहा गया है। पुलिस आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया है कि शहर के महत्वपूर्ण चौराहों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में रात और सुबह के समय गश्त को बढ़ाया जाए। खासकर इन इलाकों में सुरक्षा को और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस अधिकारी के अनुसार, दुर्गा पूजा के दौरान शहर में विभिन्न जिलों और राज्यों से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में त्योहार के दौरान अपराधी तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए, कोलकाता पुलिस के हर थाने के थाना प्रभारी को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की जांच करने का निर्देश दिया गया है। हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा के दौरान अपराधों में वृद्धि देखने को मिल रही है। पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, इस समय में छिनैती, लूट और चोरी जैसी घटनाओं में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, कई क्षेत्रों में सुबह वॉक करने वालों पर हमले और छिनताई की घटनाएं भी बढ़ी हैं। पुलिस अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि दुर्गा पूजा के दौरान अपराधों को रोकने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, प्रत्येक पुलिस स्टेशन को निर्देशित किया गया है कि वे जनता की शिकायतों को तेजी से

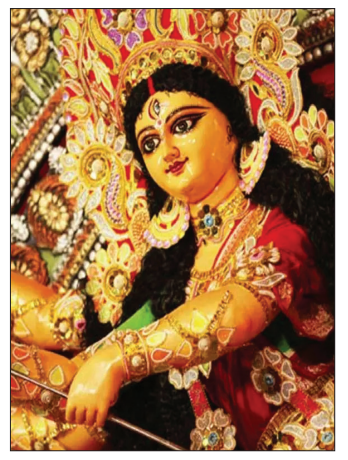

निपटाएं और उन पर कार्रवाई करें।

यूजीसी छात्रों से रैगिंग, यौन उत्पीड़न से निपटने सुझावों पर करें विचार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया है कि वह मसौदा नियम तैयार करते समय उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या को रोकने रैगिंग, यौन उत्पीड़न और जाति, लिंग, दिव्यांगता औन अन्य पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव से निपटने के सुझावों पर विचार करे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सोमवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से दो महीने के भीतर सुझावों पर विचार करने को कहा है। पीठ ने रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं के सुझावों पर भी विचार करने को कहा है, जिन्होंने अपने-अपने परिसरों में जाति आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या कर ली थी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मसौदा नियम प्रकाशित किए गए थे और एक विशेषज्ञ समिति ने मिली 300 से ज्यादा आपत्तियों की पड़ताल भी की थी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ समिति ने आपत्तियों की पड़ताल के बाद यूजीसी से मसौदा नियमों में कुछ संशोधन करने को कहा है। यूजीसी वर्तमान में विशेषज्ञ समिति की उन सिफारिशों की जांच कर रही है। संबंधित माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वे चाहती हैं कि यूजीसी उनके सुझावों पर विचार करें, ताकि किसी और की जान न जाए। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी को आठ सप्ताह के अंदर सुझावों पर विचार करने का निर्देश दिया है।

केरल में छात्रों के बीच बढ़ती आत्महत्या दर ने हमारे सिस्टम पर खड़े किए सवाल

छात्रों की आत्महत्या के मामलों में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि

तिरुवंतनपुरम (एजेंसी)। केरल में छात्रों के बीच बढ़ती आत्महत्या दर ने गंभीर सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य संकट की ओर ध्यान खींचा है। बीते एक दशक में, छात्रों की आत्महत्या के मामलों में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शिक्षा प्रणाली और सामाजिक संरचना पर सवाल खड़ा करती है।

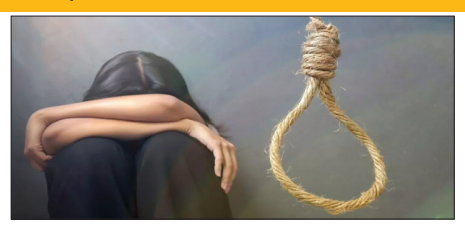

जनवरी 2021 से मार्च 2025 के बीच, केरल में 39,962 लोगों ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2022 में पूरे भारत में 13,044 छात्रों ने अपनी जान ली। यह प्रवृत्ति पूरे देश में एक बड़े संकट की ओर इशारा करती है। इसी कड़ी में केरल के कोझिकोड जैसे जिलों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है, जहां 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में 53 छात्रों ने आत्महत्या की।

पलक्कड़ के श्रीकृष्णपुरम की कक्षा 9 की छात्र, आशीर्नंदा का मामला, इन आंकड़ों के पीछे छिपी मानवीय क्षति को दिखाती है। कथित तौर पर शिक्षकों द्वारा बार-बार उपहास उड़ाने के बाद, उसने घर पर ही अपनी जान ले ली, और अपने पीछे अधूरे चित्र और एक नई स्कूल रिकॉर्ड बुक छोड़ गई। उसके माता-पिता, प्रशांत और सजीता, अपनी बेटी के लिए अब भी न्याय की गुहार लगा रहे हैं। इस संकट का समाधान करने के लिए, केरल सरकार ने 3,000 शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को छात्रों में संकट के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और उन्हें पेशेवर सहायता से जोड़ने में मदद करना है। हालांकि, विशेषज्ञ इन प्रयासों की कमियों की ओर भी इशारा करते हैं। अधिकांश स्कूलों में अभी भी पेशेवर परामर्शदाताओं की कमी है। मौजूदा परामर्श कार्यक्रम में कमजोर समन्वय और खराब रेफरल सिस्टम की समस्या है। बाल अधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही तय करना और न्याय सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के अनुसार, छात्रों में आत्महत्या के पीछे कई कारण हैं जिसमें प्रमुख अत्यधिक शैक्षणिक और सामाजिक दबाव, अस्थिर पारिवारिक वातावरण, युवाओं की बढ़ती मनोवैज्ञानिक जरूरतों को समझने और पूरा करने में विफलता।

सिख श्रद्धालुओं को परमिशन नहीं, सीएम मान का आरोप क्रिकेट से कमाई... आस्था और भक्ति पर पाबंदी

सुखबीर सिंह बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की

चंडीगढ़ (एजेंसी)। गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव (गुरुपरब) पर पाकिस्तान में मौजूद ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब जाने वाले सिख श्रद्धालुओं को इस वर्ष केंद्र से अनुमति नहीं मिलेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 12 सितंबर को परामर्श जारी कर पंजाब सहित दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को निर्देश दिया कि नवंबर में श्रद्धालुओं को पाकिस्तान यात्रा की अनुमति न दे। गृह मंत्रालय ने इस कदम के पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की सलाह के बाद पंजाब में सियासी तूफान मच गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फैसले की कड़ी आलोचना कर मोदी सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अगर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच हो सकते हैं, तब फिर सिख श्रद्धालुओं को करतारपुर और ननकाना

साहिब जाने से क्यों रोका जा रहा है?'

सीएम मान ने सवाल उठाया कि केंद्र के लिए क्रिकेट और कारोबार जरूरी क्यों है, जबकि आस्था और भक्ति पीछे छूट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ होने वाले मैचों से हो रही कमाई अंततः आतंक और नशे को बढ़ावा देने में ही इस्तेमाल होगी।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा, ÷सिख श्रद्धालु श्री ननकाना साहिब पर माथा टेकने को उत्सुक हैं। उन्हें इस मौके पर रोकना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना होगा। जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध बहाल हो चुके हैं, तब करतारपुर कॉरिडोर को भी श्रद्धालुओं के लिए खोलने पर विचार होना चाहिए।÷ पंजाब के अन्य विपक्षी दलों और सिख धार्मिक नेताओं ने भी केंद्र के कदम की निंदा कर श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया है।

कर्मचारी ने लंबे समय तक नौकरी की तो उसे करना होगा परमानेंट: हाईकोर्ट

-स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं होने पर भी स्थाई करने से नहीं कर सकते इनकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नियोक्ता ने किसी कर्मचारी से लंबे समय तक सेवा ली है और पद स्वीकृत नहीं होने की वजह से उसकी नौकरी परमानेंट नहीं की है तो यह नहीं चलेगा बल्कि उसे हर हाल में स्थायी करना होगा। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि निरंतर सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी कर चुके कर्मचारियों को केवल इस आधार पर स्थायी दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर इस तरह से किसी नियोक्ता ने इनकार किया तो यह कर्मचारियों के निरंतर शोषण के समान होगा, जो कल्याणकारी कानूनों और सामाजिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है। जस्टिस मिलिंद एन जाधव ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में कार्यरत 22 वन मजदूरों की रिट याचिका पर यह फैसला सुनाया है।

ये मजदूर 2003 से ही संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवों की सेवा में चौकीदार, माली, रसोइया और पिंजरों की देखभाल जैसे पदों पर काम कर रहे थे। उनकी ड्यूटी जोखिम भरी थी क्योंकि उनके कामों में बाघों, शेरों और तेंदुओं को खाना खिलाना, दवाइयां देना, पिंजरों की सफाई करना और उद्यान में गश्त और आग पर नियंत्रण जैसे जोखिम वाले कार्य शामिल थे। हालांकि ये लोग पिछले 22 साल से वहां काम कर रहे थे इसके बावजूद औद्योगिक न्यायालय ने उनकी स्थायी नौकरी के दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वहां कोई स्वीकृत पद नहीं है।

इस कोर्ट के फैसले के खिलाफ इन लोगों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाए गए उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हाजिरी के मुताबिक लगातार पाँच सालों तक हरेक कैलेंडर वर्ष में 240 दिनों की सेवा पूरी की है। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने याचिका में 16 अक्टूबर 2012 के उस सरकारी प्रस्ताव का हवाला दिया था, जिसके अनुसार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पांच सालों में 240 दिनों की सेवा पूरी करने पर स्थायी किए जाने का प्रावधान शामिल है।

राज्य ने इस दलील का विरोध करते हुए तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति अस्थायी कर्मचारी के तौर पर हुई थी, उन्हें किसी स्वीकृत पद या चयन प्रक्रिया के जरिए नियुक्त नहीं किया गया था और 2012 के प्रस्ताव के तहत सृजित 125 अतिरिक्त पद पहले ही भरे जा चुके हैं, लेकिन हाईकोर्ट ने ये दलील नहीं मानी और निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए सभी 22

मजदूरों की नौकरी को स्थायी करने का आदेश दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में आव्रजन छापा मामले को लेकर अमेरिका ने जताया खेद

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई कर्मचारियों पर आव्रजन छापे के मामले में अमेरिका ने खेद जताया है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने रविवार को आव्रजन छापे पर खेद व्यक्त किया। इसमें 300 से अधिक दक्षिण कोरियाई कामगारों को हिरासत में लिया गया था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने रविवार को प्रथम उप विदेश मंत्री पार्क यून-जू से मुलाकात की। इस दौरान अमेरिकी कार्रवाई पर गहरा खेद जताया।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने संयुक्त सैन्यअभ्यास शुरू किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सोमवार को दक्षिण कोरियाई द्वीप के पास एक संयुक्त हवाई और नौसैनिक अभ्यास शुरू किया। उत्तर कोरिया ने इस सैन्यभ्यास की निंदा की है और इसे शक्ति का लापरवाहीपूर्ण प्रदर्शन करार दिया है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि फ्रीडम एज नामक इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्र, वायु और साइबरस्पेस में देशों की संयुक्त परिचालन क्षमताओं को मजबूत करना है और यह उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए जरूरी है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड ने कहा कि इस अभ्यास में अमेरिकी मरीन और वायु सेना के हवाई उपकरण शामिल होंगे और इसमें उन्नत बैलिस्टिक-मिसाइल और वायु-रक्षा अभ्यास, चिकित्सा निकासी और समुद्री संचालन प्रशिक्षण शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के दक्षिणी जेजू द्वीप के पास यह अभ्यास शुक्रवार तक चलेगा।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस्राइल को दंडित करे, दोहा में हमले के बाद पीएम अल थानी की अपील

दोहा, एजेंसी। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने इस्राइल की निंदा की है। उन्होंने कहा कि दोहा पर किए गए हमले सरकार प्रायोजित आतंकवाद हैं। बता दें कि इस्राइली सेना की इस एयरस्ट्राइक में हमास के पांच सदस्यों समेत कतर का एक सुरक्षाकर्मी भी मारा गया थे। पीएम अल थानी ने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई मध्यस्थता की प्रक्रिया पर सीधा हमला है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस्राइल को दंडित करना चाहिए। अल थानी के अलावा अरब व मुस्लिम देशों की बैठक में अरब लीग प्रमुख अहमद अबोल गैत ने भी इस्राइल को आड़े हाथ लिया। दूसरी तरफ इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमले का बचाव किया और हमास नेताओं को निशाना बनाने की बात दोहराई।

कड़ी सुरक्षा में अस्पताल भेजे गए पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो, बेटे कार्लोस ने नाराजगी जताई

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो नजरबंद हैं। रविवार को उन्होंने ब्रासीलिया के एक अस्पताल में त्वचा संबंधी इलाज कराया। यह पहला मौका है जब वे घर में नजरबंदी से बाहर निकले। बता दें कि देश की सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 27 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने बोल्सोनारो को 2022 का आम चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया है। न्यायाधीश अलेक्जांद्रे डे मोराएस की अनुमति पर उन्हें इलाज के लिए अस्थायी रिहाई मिली। अस्पताल जाते समय पुलिस का कड़ा पहरा रहा, जिसे लेकर बेटे कार्लोस ने नाराजगी जताई। बोल्सोनारो के समर्थक एमनेस्टी नाउ के नारे लगाते दिखे। खबरों के मुताबिक उनके वकील सजा के खिलाफ अपील की तैयारी कर रहे हैं।

सर्बिया में राजनीतिक संकट, विरोध और रैलियां जारी

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया इन दिनों गहरे राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को एक ओर जहां सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए, वहीं राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के समर्थकों ने भी रैलियां निकालीं। यह विरोध 10 महीने से जारी है, जिसकी शुरुआत उत्तरी शहर नोवी साद में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 16 लोगों की मौत के बाद हुई थी। छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन ने शुरुआत में पीड़ितों के लिए न्याय और भ्रष्टाचार की जांच की मांग की थी। लेकिन अब यह राष्ट्रपति वुसिक के इस्तीफे की मांग तक पहुंच गया है। राष्ट्रपति वुसिक ने प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बताया और अपनी पार्टी की मदद से जवाबी रैलियां आयोजित कीं, ताकि सत्ता पर पकड़ बनाए रखी जा सके।

मैक्सिको में उष्णकटिबंधीय तूफान मारियो का असर

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको के प्रशांत तट के पास उठे तूफान मारियो ने एक बार फिर उष्णकटिबंधीय तूफान का रूप ले लिया है। नेशनल हरीकेन सेंटर, मियामी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक अभी तक किसी भी तटीय क्षेत्र के लिए चेतावनी जारी नहीं की गई है। पहली बार शुक्रवार को मारियो के मजबूती से आगे बढ़ने की खबर आई।

अमेरिकी विदेश मंत्री के दौरे से पहले इजरायल ने गाजा को दहलाया, ऊंची इमारतों पर बरसाए बम, 32 की मौत

गाजा पट्टी, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पहुंचने से पहले इजरायल ने गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं। इजरायली सेना ने रविवार को गाजा शहर में करीब 30 से ज्यादा ऊँची इमारतों पर ताबड़तोड़ बम बरसाए, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई है। गाजा सिटी के शिफा अस्पताल के अनुसार, मृतकों में 12 बच्चे भी शामिल हैं। इन हमलों की वजह से हजारों लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। इजरायली सेना ने इस हमले के कुछ ही घंटों के भीतर गाजा शहर में कई टावरों को खाली करने के आदेश भी जारी किए। फिलिस्तीनी चिकित्सा कर्मचारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फलस्तीनियों से गाजा शहर खाली करने की अपील की गई है। मामले से परिचित एक सूत्र के अनुसार, यह हमला इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा बुलाई गई बैठक से पहले हुआ है, जिसमें इस बात पर चर्चा की जानी है कि जब इजरायली सेना गाजा शहर पर नियंत्रण करने के लिए जमीनी अभियान चलाएगी, तो गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को नुकसान पहुंचाने से कैसे बचाया जाए। इजरायल पहले ही तह चुका है कि वह गाजा शहर पर कब्जा करके रहेगा, जहां लाखों फिलिस्तानी शरण लिए हुए हैं। इसी मकसद से इजरायल ने हाल के दिनों में गाजा शहर में हमले तेज कर दिए हैं, कई ऊंची इमारतों को नष्ट कर दिया है और हमास पर उनमें निगरानी उपकरण लगाने का आरोप लगाया है। इसने निवासियों को शहर छोड़ने का आदेश दिया है, जो सबसे बड़े फलस्तीनी शहर पर कब्जा करने के उद्देश्य से एक हमले का हिस्सा है। इजराइल इसे हमास का आखिरी गढ़ कहता है जहां लाखों लोग अब भी अकाल की स्थिति से जूझ रहे हैं।

हमलों के बाद धुएं का गुबार उठता दिखा : स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रातभर और शनिवार तड़के किए गए हमलों में से एक ने शेख रदवान के पड़ोस में स्थित एक घर को निशाना बनाया, जिसमें एक महिला और उसके तीन बच्चों समेत 10 लोगों के परिवार की मौत हो गई। तस्वीरों में हमलों के बाद धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। इजराइली सेना ने हमलों के बारे में पूछे गए सवालों का तुरंत जवाब नहीं दिया है। सहायताकर्मियों के अनुसार, बढ़ती शत्रुता और शहर खाली करने के आह्वान के मद्देनजर, हाल के हफ्तों में शहर छोड़ने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

फिलिस्तीनियों से क्षेत्र खाली करने की अपील : हालांकि, कई परिवार परिवहन और आवास संबंधी खर्च के कारण अब भी फंसे हुए हैं, जबकि कई लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं और अब दोबारा नहीं जाना चाहते, क्योंकि उन्हें भरोसा नहीं है कि इस इलाके में उनके लिए कहीं भी कोई सुरक्षित जगह है। सोशल मीडिया पर शनिवार को एक संदेश में इजराइली सेना ने गाजा शहर में बचे हुए फलस्तीनियों से 'तुरंत' वहां से निकलकर दक्षिण की ओर उस क्षेत्र में जाने को कहा जिसे वह मानवीय क्षेत्र कह रही है।

ढाई लाख से ज्यादा लोग गाजा छोड़ चुके : सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने कहा कि ढाई लाख से अधिक लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं।गाजा में अस्थायी आश्रय स्थापित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में की गई एक पहल के अनुसार, पिछले सप्ताह तक 86,000 से अधिक टेंट और अन्य सामग्री की आपूर्ति के लिए अब भी गाजा में प्रवेश के लिए मंजूरी का इंतजार था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पिछले 24 घंटे में कुपोषण से संबंधित कारणों से बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई, जिससे युद्ध शुरू होने के बाद से इस तरह मरने वालों की संख्या बढ़कर 420 हो गई है जिनमें 145 बच्चे शामिल हैं। गाजा में अब भी बंधक बनाए गए लोगों के परिवार इजरायल से हमले को रोकने की गुहार लगा रहे हैं, उन्हें डर है कि इससे उनके रिश्तेदार मारे जाएंगे। गाजा में अब भी 48 बंधक हैं, जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने का अनुमान है। गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ था जब सात अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने दक्षिणी इजराइल में धावा बोलकर 251 लोगों का अपहरण कर लिया था और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी।

रूस में बढ़ रहा हिंदी का क्रेज, सिखाने के लिए नए केंद्र खोल रही सरकार

मॉस्को, एजेंसी। भारत में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा अब रूस में भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है। सोवियत संघ के पतन के तीन दशक के बाद रूस में हिंदी सीखने वाले इच्छुक व्यक्तियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। लोगों की बढ़ती दिलचस्पी के देखते हुए स्थानीय सरकार अब हिंदी भाषा को पढ़ाने वाले संस्थानों की संख्या को बढ़ा रही है। इस मामले पर बात करते हुए रूस के उच्च शिक्षा उपमंत्री कोंस्टेंटिन मोगिलेव्स्की ने कहा कि रूस चाहता है कि उनके ज्यादा से ज्यादा छात्र हिंदी सीखें।

रूसी समाचार एजेंसी ताश से बात करते हुए मोगिलेव्स्की ने कहा, भारत आज दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। ज्यादातर भारतीय आपसी समझ के लिए अंग्रेजी के बजाय हिंदी भाषा का प्रयोग करते हैं। हमें दोनों देशों के बीच में ज्यादा से ज्यादा संपर्क बढ़ाने के लिए हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाएं सीखने की जरूरत है। मोगिलेव्स्की के मुताबिक क्रेमलिन लगातार रूसी लोगों में हिंदी के प्रति बढ़ती रुचि से परिचित है। इसलिए इस भाषा को पढ़ाने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या को लगातार बढ़ाया जा रहा है। मोगिलेव्स्की ने कहा. आज हिंदी सीखने के लिए युवाओं के पास पहले से कहीं ज्यादा अवसर हैं। अकेले में ही अकेले मॉस्को में ही एमजीआईएमओ स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, आरएसयूएच, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी का एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन संस्थान और मॉस्को स्टेट लिंग्विस्टिक यूनिवर्सिटी हैं। इसके अलावा सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, कज़ान फ़ेडरल यूनिवर्सिटी और अन्य यूनिवर्सिटिज में भी हिंदी पढ़ाई जाती है। हिंदी कोर्स में नामांकित छात्रों की संख्या बढ़ रही है,और समूहों की संख्या दो से तीन गुना ज्यादा है। आपको बता दें सोवियत संघ के समय मॉस्को में हिंदी को लेकर क्रेज अपने चरम पर था। स्थानीय सरकार भी हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने का प्रयास करती थी। इतना ही नहीं सरकार ने कुछ प्रकाशकों को रूसी लेखकों की पुस्तकों के हिंदी अनुवाद निकालने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

ब्रिटेन में मिला ऑर्का की तरह 80 फीट लंबे समुद्री जीव का जीवाश्म

लंदन, एजेंसी। दो सौ करोड़ वर्ष से भी पहले महासागरों में एक महाकाय शिकारी तैरता था, जो अपने समय की ऑर्का व्हेल जैसा शीर्ष परभक्षी था। वैज्ञानिक बताते हैं कि इक्थियोटाइटन सेवेरेन्सिस नामक यह जीव लगभग 80 फीट लंबा था और अब तक खोजा गया सबसे बड़ा इक्थियोसॉर माना जा रहा है। ब्रिटेन में मिले इसके जबड़े के जीवाश्मों ने वैज्ञानिकों को उस काल की समुद्री दुनिया का नया दृष्टिकोण दिया है। इक्थियोसॉर समुद्र में रहने वाले विलुप्त सरीसृप (मरीन रेप्टाइल्स) लगभग 25 करोड़ साल पहले त्रैसिक काल से लेकर 9 करोड़ साल पहले क्रेटासियस काल तक अस्तित्व में रहे। इक्थियोसॉर समुद्र के प्राचीन व्हेल-जैसे सरीसृप थे, जो अपने समय के सबसे तेज और ताकतवर शिकारी थे। नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम लंदन के अनुसार 2018 में ब्रिटेन के जीवाश्म वैज्ञानिक डॉ. डीन लोमैक्स और उनकी टीम को पहली बार जबड़े की हड्डी का टुकड़ा मिला। वर्तमान की फिन व्हेल के बराबर यदि वर्तमान परिस्थितियों में तुलना करें तो इक्थियोटाइटन का आकार आज की फिन व्हेल के बराबर और ऑर्का व्हेल से कहीं अधिक रहा होगा। ऑर्का अधिकतम 30 फीट तक और फिन व्हेल लगभग 85 फीट तक होती है।

इस तुलना से स्पष्ट होता है कि त्रैसिक काल के समुद्रों में भी स्तनधारियों से पहले ही महाकाय जीव मौजूद थे जो शीर्ष शिकारी की भूमिका निभा रहे थे। वैज्ञानिक मानते हैं कि इक्थियोटाइटन सेवेरेन्सिस की खोज ने यह साबित कर दिया है कि त्रैसिक काल में समुद्र न केवल जीवन से भरे हुए थे बल्कि ऐसे शिकारी भी थे जो अपने समय की खाद्य श्रृंखला के शीर्ष पर खड़े थे। यह जीवाश्म न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से असाधारण है बल्कि यह भी दिखाता है कि जीवन की विशालता और विविधता किस तरह धरती के हर कालखंड में नए रूपों में सामने आती रही। 2020 में खोजा जबड़े के दूसरा टुकड़ा इसकी विशालता देखकर इसे पहले डायनासोर की हड्डी समझ लिया गया था। लेकिन सूक्ष्म विश्लेषण के बाद इसे इक्थियोसॉर का हिस्सा बताया गया।

अमेरिका में बड़े धमाके की साजिश नाकाम, यूटा में न्यूज चैनल की गाड़ी के नीचे मिला विस्फोटक, दो गिरफ्तार

वाशिंगटन/यूटा, एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य में एक बड़े धमाके की साजिश नाकाम कर दी गई। फॉक्स 13 न्यूज चैनल की गाड़ी के नीचे एक विस्फोटक डिवाइस मिलने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह डिवाइस असली थी और उसे जलाया भी गया था, लेकिन उसमें विस्फोट नहीं हो सका। इस मामले में 58 वर्षीय अदीब नसीर और 31 वर्षीय आदिल जस्टिस अहमद नसीर नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एफबीआई ने संभाला मामला : फॉक्स 13 की रिपोर्ट के मुताबिक, यह डिवाइस शुक्रवार को गाड़ी के नीचे मिली थी। जांच में पता चला कि यह डिवाइस बेहद खतरनाक थी और अगर यह सक्रिय हो जाती तो आसपास के लोगों की जान को बड़ा खतरा हो सकता था। इसके बाद फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने

मामला अपने हाथ में ले लिया क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला माना गया। शनिवार को एफबीआई ने सॉल्ट लेक सिटी पुलिस और यूनिफाइड फायर बम स्क्वॉड के साथ मिलकर संदिग्धों के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान घर और आस-पड़ोस के कई घरों को खाली कराया गया ताकि किसी और विस्फोटक के खतरे को टाला जा सके।

घर से मिले कई हथियार और ड्रग्स : छापेमारी में एफबीआई को सिर्फ विस्फोटक ही नहीं, बल्कि कई अन्य खतरनाक चीजें भी मिलीं। इसमें हथियार और गोलियां, विस्फोटक से जुड़ा सामान, अवैध नशीले पदार्थ और उनके उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस शामिल है, जिनमें सबूत मिलने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों पर पहले से ही प्रोटेक्टिव ऑर्डर लागू था, जिसके तहत उन्हें हथियार रखने की इजाजत नहीं थी। संदिग्धों के खिलाफ बड़े आरोप गिरफ्तार दोनों आरोपियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसमें आतंकवाद की धमकी, विनाशकारी हथियार रखने का आरोप, विस्फोटक उपकरण रखने का आरोप शामिल है। वहीं एफबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने जांचकर्ताओं से कहा था कि घर में पाए गए दो नकली विनाशकारी हथियार असल में असली थे। न्यूज चैनल ने बढ़ाई सुरक्षा, इलाके में दहशत फॉक्स 13 न्यूज की स्टेशन मैनेजर लीओना वुड ने कहा, हम कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अपनी रिस्क मैनेजमेंट टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। वहीं मैग्ना इलाके में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है। पुलिस और एफबीआई ने जांच तेज कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस साजिश के पीछे किसी बड़े नेटवर्क का हाथ है या नहीं। इस पूरे मामले ने अमेरिका में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। यूटा में ही ट्रंप समर्थक नेता की हत्या यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यूटा में ही एक और बड़ी घटना ने पूरे देश को हिला दिया। कंजर्वेटिव नेता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के आरोपी टायलर रॉबिन्सन को गुरुवार की देर रात एफबीआई ने गिरफ्तार किया।

परमाणु हथियार है और रहेगा, स्टेटस नहीं बदलने वाला, किम जोंग उन के देश ने कर दिया साफ

प्योंगयाग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा बयान दिया है। इसने कहा कि उसका परमाणु हथियारों वाला देश होने का दर्जा अब हमेशा के लिए है और इसे बदला नहीं जा सकता। सरकारी मीडिया ने बताया कि नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका की उस मांग की कड़ी निंदा की, जिसमें उससे परमाणु निरस्त्रीकरण की बात कही गई थी। कोरियाई यूएन मिशन की ओर से कहा गया, हाल ही में इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक हुई। इस दौरान यूएस ने एक बार फिर हमारी परमाणु हथियारों की मौजूदगी को गैरकानूनी बताया। उसने परमाणु निरस्त्रीकरण की बात छेड़कर गंभीर राजनीतिक उकसावे का काम किया। नॉर्थ कोरिया ने कहा कि उसका परमाणु हथियारों वाला देश होने का दर्जा स्थायी रूप से हमारे कानून में दर्ज हो चुका है। इसे कोई बदल नहीं सकता। यह भी कहा गया कि पिछले 30 साल से उसका आईएईए के साथ कोई आधिकारिक रिश्ता नहीं है। बयान के मुताबिक, आईएईए के पास न तो कानूनी और न ही नैतिक आधार है कि वो ऐसे परमाणु हथियारों वाले देश के आंतरिक मामलों में दखल दे, जो न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी (एनपीटी) का हिस्सा नहीं है। मालूम हो कि 1994 में उत्तर कोरिया ने परमाणु निरीक्षण को लेकर विवाद के बाद आईएईए से नाता तोड़ लिया था। उसे लगता था कि अमेरिका इस एजेंसी का इस्तेमाल उसकी संप्रभुता पर हमला करने के लिए कर रहा है। उत्तर कोरिया ने साफ कर दिया कि वो अपने वर्तमान दर्जे को बदलने की किसी भी कोशिश का डटकर विरोध करेगा। साथ ही, एक जिम्मेदार परमाणु हथियारों वाला देश होने के नाते अपनी स्थिति बनाए रखेगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब पिछले हफ्ते नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन ने वेपन रिसर्च फैलिसिटी का दौरा किया था।

हम ड्रोन हमलों से निपटने में सक्षम नहीं, रूसी हमलों के बीच नाटो की चिंता

वारसॉ, एजेंसी। बीते सप्ताह पोलैंड के आसमान से रूसी ड्रोन गुजरने पर हड़कंप मच गया था। खबर है कि 19 ड्रोन पोलैंड के आसमान से गुजरे थे, जिनमें से 7 को ही उसकी ओर से इंटरसेप्ट किया जा सका। इसे उसकी एक असफलता के तौर पर देखा जा रहा है। हाल ही में नाटो देशों की एक मीटिंग हुई है, जिसमें ड्रोन हमलों से निपटने में अक्षमता की बात कही गई। गुरुवार को नाटो महासचिव मार्क रुट और यूरोपियन यूनियन के राजदूतों की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में मौजूद कई प्रतिनिधियों ने कहा कि ड्रोन हमलों से निपटने के लिए नाटो के सदस्य देशों की तैयारी कमतर है। यह भी चिंता जाहिर की गई कि ड्रोन हमले बेहद कम लागत से होते हैं और उनके जवाब में बड़ी पूंजी खर्च की जा रही है। इस दौरान एक मजेदार तथ्य यह भी पेश किया गया कि रूस की ओर से करीब 11 हजार डॉलर के ड्रोन से ही हमले किए जाते हैं। उनके जवाब में हमारी तरफ से एयर-टू-एयर मार करने वाली 4 लाख डॉलर की मिसाइल चलाई जाती है। यह बेहद खर्चीला और जटिल है। इस संबंध में ऑस्ट्रिया के अखबार कुरियर डेली ने भी महत्वपूर्ण बात अपनी रिपोर्ट में कही है। अखबार लिखता है कि ड्रोन के जवाब में एफ-35 फाइटर जेट को तैनात किया गया। इसके अलावा इटली के सर्विलांस प्लेन लगे थे। यही नहीं जर्मन पैट्रियाट एयर डिफेंस सिस्टम भी लगा था। इसके बाद भी रूस की ओर से उड़े 19 ड्रोन्स में से 7 को ही इंटरसेप्ट किया जा सका। यही वजह है कि नाटो देशों ने ड्रोन हमलों से निपटने में अपनी असफलता मानी है। पोलैंड की अथॉरिटीज का भी कहना है कि रूस की ओर से भेजे गए ड्रोन्स में से 3 से 4 को ही मार गिराने में सफलता मिली। फिलहाल रूसी ड्रोन्स के कारण नाटो देशों में हलचल की स्थिति है। पौलैंड के आसमान से रूसी ड्रोन गुजरने को संप्रभुता को चैलेंज माना जा रहा है। यहां तक कि पोलैंड ने तो इसी मसले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मीटिंग बुलाने की भी मांग की है। नाटो के अधिकारियों का कहना है कि हम हर ड्रोन की निगरानी या उसे गिराने के लिए हर बार एफ-35 जैसे फाइटर जेट भी तैनात नहीं कर सकते। फिलहाल इस पर बात हुई कि ड्रोन से निपटने के कारगर और कम खर्चीले तरीकों को विकसित किया जाए।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी ने जोहरान ममदानी को मेयर चुनाव में दिया समर्थन, डेमोक्रेट्स में बढ़ी हलचल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में बड़ा मोड़ आ गया है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने रविवार को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरान ममदानी को समर्थन देते हुए न्यूयॉर्कवासियों से उनके पक्ष में वोट करने की अपील की। यह ममदानी को मिला अब तक का सबसे अहम और बड़ा राजनीतिक समर्थन माना जा रहा है। कैती होचुल ने लिखा आर्टिकल गवर्नर कैथी होचुल ने एक समाचार पत्र के ओपिनियन सेक्शन में एक लेख लिखकर अपने समर्थन का एलान किया। उन्होंने कहा कि भले ही वह और जोहरान ममदानी कुछ मुद्दों पर असहमत हों, लेकिन दोनों का मकसद न्यूयॉर्क को रहने के लिए बेहतर और किफायती बनाना है। होचुल ने लिखा, हमारी बातचीत में मैंने ममदानी में एक ऐसे नेता को देखा जो चाहता है कि न्यूयॉर्क का हर बच्चा सुरक्षित माहौल में बड़ा हो और हर परिवार को अवसर मिले। वह शहर को किफायती बनाने के लिए समर्पित हैं और मैं इस लक्ष्य का पूरे उत्साह के साथ समर्थन करती हूं।

ममदानी ने कहा- आंदोलन हुआ और मजबूत : 33 वर्षीय जोहरान ममदानी, जो खुद को डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट बताते हैं, ने इस समर्थन को अपनी राजनीतिक मुहिम के लिए बड़ी जीत बताया। ममदानी ने रविवार रात एक बयान जारी कर कहा, गवर्नर होचुल ने हमेशा न्यूयॉर्कवासियों की जेब में पैसे वापस लाने और शहर को सुरक्षित व मजबूत बनाने पर काम किया है। मैं उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं ताकि कोई भी परिवार सिर्फ खर्च के डर से न्यूयॉर्क छोड़ने को मजबूर न हो। उन्होंने यह भी कहा कि होचुल का समर्थन पार्टी को एकजुट करने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का विरोध करने की दिशा में अहम कदम है।

मेयर चुनाव में चार दिग्गज आमने-सामने : इस चुनाव में चार बड़े उम्मीदवार मैदान में हैं। जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी से जोहरान ममदानी, मौजूदा मेयर और स्वतंत्र उम्मीदवार एरिक एडम्स, पूर्व गवर्नर और स्वतंत्र उम्मीदवार एंड्रयू क्योमो, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार करटिस स्लिवा शामिल हैं। डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी ने क्योमो को बड़े अंतर से हराया था। इसके बाद क्योमो ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का एलान किया। मौजूदा मेयर एडम्स ने भी प्राइमरी छोड़कर स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। रिपब्लिकन की तीखी आलोचना गवर्नर होचुल के इस फैसले पर रिपब्लिकन नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूएस हाउस रिपब्लिकन लीडरशिप चेयरवुमन एलीस स्टेफानिक ने बयान जारी कर कहा, न्यूयॉर्कवासी मजबूत नेतृत्व चाहते हैं, लेकिन गवर्नर होचुल ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रही हैं जिसे लोग खतरनाक कम्युनिस्ट मानते हैं। यह शहर को और महंगा व असुरक्षित बना देगा और अपराधियों को बढ़ावा देगा। डेमोक्रेटिक पार्टी में हलचल जोहरान ममदानी की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता ने डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर खलबली मचा दी है। कुछ वरिष्ठ नेता उनकी नीतियों और बयानों से पहले असहमत थे, लेकिन अब होचुल का समर्थन यह संकेत देता है कि पार्टी धीरे-धीरे उनके पीछे एकजुट हो रही है। न्यूयॉर्क सिटी मेयर का चुनाव इस साल नवंबर में होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि होचुल के समर्थन के बाद ममदानी की स्थिति मजबूत जरूर हुई है, लेकिन क्योमो, एडम्स और स्लिवा का मुकाबला करना उनके लिए आसान नहीं होगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहले किया शो-ऑफ, फिर मांगी माफी

लालू जालिम गैंग के गुजसीटोक आरोपी आशीष उर्फ़ "चीकना" पांडे ने मांगी माफी,9 गिरफ्तार, 4 गाड़ियां ज़ब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हाल ही में गुजसीटोक केस के आरोपी आशीष "चीकना" पांडे के जेल से बाहर आने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में वह फिल्मी अंदाज़ में दबंग एंट्री करता हुआ दिखाई दे रहा था। जैसे ही ये वीडियो सामने आया, पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। इसके बाद सचिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आशीष "चीकना" समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया और 4 वाहन ज़ब्त किए। इस घटना ने सूरत पुलिस की छवि पर सवाल खड़े कर दिए थे।

जेल के बाहर गुंडे का स्वागत

लालू जालिम गैंग का यह कुख्यात अपराधी आशीष "चीकना" दो बार पासा के तहत जेल जा चुका है और उस पर हत्या, अपहरण, लूट और धमकी जैसे 26 से अधिक मामले दर्ज हैं।

गुजसीटोक केस में जमानत पर बाहर आने के बाद उसके साथियों ने जेल के पार्किंग में ही एक रील बनाई। रील में दिखा कि लगभग 40-50 लोग जेल के बाहर उसका इंतज़ार कर रहे थे। उसके साथियों ने उसके पैर छूकर भव्य स्वागत किया।

हैरानी की बात यह रही कि वीडियो में एक जेलकर्मी भी आशीष से हाथ मिलाते हुए दिखाई दिया, जिससे जेल प्रशासन पर भी सवाल खड़े हुए। घटना के बाद जेल DYSP डी.पी. भट्ट ने जांच शुरू की।

काली कारों का काफिला और रोड शो

आशीष जेल से बाहर आते ही काले शीशों वाली और बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो में बैठा और 'विक्ट्री' का सिग्नल दिखाता रहा।

उसके साथ 7-8 काली गाड़ियों का काफिला भी था। जेल के बाहर उसके साथियों ने ज़ोरदार शो-शराबा किया और इस पूरे दृश्य का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम सहित सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसमें साफ दिख रहा था कि आशीष खुलेआम कानून का उल्लंघन कर रहा था।

वीडियो वायरल होने के बाद सचिन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। वीडियो में दिख रहे सभी लोगों को गिरफ्तार किया गया और बिना नंबर व काले शीशों वाली गाड़ियां ज़ब्त की गईं। आशीष के साथियों को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने सभी आरोपियों से सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई और यह साफ संदेश दिया कि कानून सर्वोपरि है और किसी भी अपराधी की दबंगई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमल के बिना चुनाव लड़ने का ऐलान

भाजपा ने 9 नेताओं को किया सस्पेंड, फिर भी विधायक ने पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भरूच दूधधारा डेयरी के चुनाव से पहले ही जिला भाजपा में बड़ा विस्फोट हो गया है। वागरा के विधायक अरुणसिंह राणा के सहयोग विकास पैनल के 9 उम्मीदवारों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते सस्पेंड कर दिया गया था। लेकिन भाजपा के ही विधायक अरुणसिंह राणा ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और भाजपा उम्मीदवारों के पैनल के खिलाफ विकास पैनल को मैदान में उतार दिया है। वहीं दूधधारा डेयरी के चेयरमैन घनश्याम पटेल ने वागरा के विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, भरूच दूधधारा डेयरी के चुनाव में वागरा के विधायक अरुणसिंह राणा ने भाजपा के उम्मीदवारों के पैनल के खिलाफ विकास पैनल को चुनाव में उतारा है। उन्होंने कहा, "सस्पेंड करने का कोई मतलब नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हमारा विकास पैनल चुनाव लड़ेगा और जीतेगा क्योंकि कार्यकर्ताओं का साथ और सहयोग हमारे साथ है।"

गौरतलब है कि दूधधारा डेयरी के मलाईदार चुनाव के लिए अरुणसिंह राणा के पैनल के 3 उम्मीदवार और घनश्याम पटेल के पैनल के 12 उम्मीदवारों को प्रदेश भाजपा ने टिकट दिया था। इसके बावजूद वागरा विधायक ने टिकट के खिलाफ जाकर अपना पैनल उतार दिया था। चुनाव लड़ने वाले सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई थी।

सस्पेंड किए गए उम्मीदवारों में सायखा के हेमतसिंह राज, जंबूसर के जगदीश पटेल, कविता के जिग्नेश पटेल, जंबूसर के नटवरसिंह परमार, हंसोट की शांता बेन पटेल और हंसोट के ही विनोद पटेल, सोमा वसावा, दिनेश बारिया और सुनील पटेल शामिल हैं।

भरूच जिला भाजपा अध्यक्ष प्रकाश मोदी ने इन सदस्यों को तत्काल प्रभाव से पार्टी और प्राथमिक सदस्यता से बर्खास्त कर दिया था।

भरूच दूधधारा डेयरी के चेयरमैन घनश्याम पटेल ने भाजपा विधायक अरुणसिंह राणा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अरुणसिंह राणा अपनी निजी डेयरी चलाते हैं और उसे प्रतिद्वंदी कहा जा सकता है। इसलिए वे भरूच दूधधारा डेयरी का चुनाव लड़कर अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहते हैं।

भरूच दूधधारा डेयरी के लिए आगामी 19 सितंबर को 4 अलग-अलग स्थानों पर मतदान होगा। मतदान के बाद 20 तारीख को होने वाली मतगणना में तय होगा कि दूधधारा की कमान किसके हाथ में जाएगी।

भाजपा को चुनौती देने के लिए राहुल गांधी की 'गुजरात योजना', कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मजबूत तैयारी का आह्वान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। पिछले सात महीनों में उन्होंने पांच बार गुजरात का दौरा किया है, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में उनकी उपस्थिति भी शामिल है। आगामी 18 सितंबर को अपने दूसरे दौरे के दौरान वे कांग्रेस के शहर और जिला अध्यक्षों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा शुरू किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गुजरात के शहर और जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने जूनागढ़ में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में चार घंटे तक कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को चुनौती देने की रणनीति पर चर्चा की।

राहुल गांधी फिटनेस के मामले में काफी जागरूक रहते हैं। व्यस्त राजनीतिक कार्यक्रमों के बीच भी वे रोजाना व्यायाम करना नहीं छोड़ते। वे एकिडो मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट धारक हैं। जूनागढ़ में उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम रहने की सलाह दी। उनका कहना था कि राजनीतिक संघर्ष के लिए ऊंचा मनोबल और शारीरिक स्वास्थ्य बेहद जरूरी है। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को आत्मरक्षा की तकनीकें भी सिखाईं।

राहुल गांधी ने गुजरात में बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों पर मजबूत पकड़ बनाने और मतदान के दिन किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

18 सितंबर के दौरे में राहुल गांधी कार्यकर्ताओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। अब वे बिहार में की गई यात्रा की तरह गुजरात में भी यात्रा करने वाले हैं। इसकी रूपरेखा अगले महीने घोषित होगी। गुजरात यात्रा के दौरान राहुल गांधी सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे, शहर और जिला अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और उनके घर भोजन भी करेंगे।

साल 2022 के गुजरात चुनाव से पहले भी राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को प्रेरणादायक भाषण दिए थे। उन्होंने भाजपा के बूथ स्तर पर संगठन की सफलता का अध्ययन किया है। अब वे कांग्रेस में भी वैसी ही संरचनात्मक मजबूती लाना चाहते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए कांग्रेस गुजरात में एक बार फिर मजबूत राजनीतिक आधार स्थापित करने की तैयारी कर रही है।

राहुल गांधी की यह पहल गुजरात में कांग्रेस के पुनरुत्थान के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना, संगठन को मजबूत करना और बूथ स्तर पर दक्षता बढ़ाने की यह व्यापक योजना गुजरात के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है।

पलसाणा पुलिस का फरार आरोपी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश का 44 वर्षीय आरोपी हलधरू पाटिया के पास से पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ग्रामीण पुलिस ने वांछित अपराधियों और फरार आरोपियों को पकड़ने के अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पलसाणा पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीरसिंह और पुलिस अधीक्षक राजेश गढिया के निर्देश पर चल रहे इस अभियान में पलसाणा पुलिस को सफलता मिली। बारडोली डिवीजन के डीपीओ एच.एल. राठौड़ और पलसाणा पीआई बी.डी. झीलरिया के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। पुलिस स्टाफ के एएसआई अमृतभाई धनजीभाई और एएसआई निकेतकुमार खुमानसिंहभाई को मिली सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी परवेजकुमारसिंह रामफेरसिंह (44) उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और वर्तमान में कामरेज में रहता है।

आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 316(2), 318 (4), 61(2) के तहत मामला दर्ज था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

"स्वाद यात्रा - राज्यो के संग" कुकिंग कॉम्पीटिशन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव में मंगलवार को स्वाद यात्रा राज्यों के संग कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में दोपहर तीन बजे किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा ने बताया कि आयोजन में भारत की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए पाँच राज्यो के खाने पर प्रतियोगिता रखी गई। सौ से अधिक प्रतियोगितों ने राजस्थान, पंजाब, बिहार, गुजरात एवं तमिलनाडु के खाने को बनाया एवं अलग तरीके से पेश किया। आयोजन में महिला शाखा की प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, दीपाली सिंघल, अनीता केडिया, लीना चौधरी, अनीता बघरिया सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रही।

एकल श्री हरि द्वारा छह धर्म रथों का हुआ भव्य लोकार्पण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,शिक्षा, संस्कार और संस्कृति के माध्यम से देश के अति पिछड़े एवं वनवासी क्षेत्रों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान हेतु समर्पित एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट सूरत चैप्टर द्वारा छह धर्म रथों का एक साथ भव्य लोकार्पण रविवार को सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के श्याम कुंज हॉल में किया गया। एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया कि आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वल्लन के साथ की गई। इसके पश्चात पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से एकल श्रीहरि के कार्यों का परिचय दिया गया। आयोजन में मंजू मित्तल ने श्रीहरि मंदिर रथ की कार्यप्रणाली और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मंच का संचालक अंकुर बीजाका ने किया। इसके पश्चात दानदाता परिवार के बालकिशन पोद्दार, राजेश पोद्दार, संजय पोद्दार एवं उनके परिवार द्वारा रथ का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राजेश पोद्दार ने कहा की यह समाज के प्रति हमारा एक छोटा सा उत्तरदायित्व है। एकल श्रीहरि के माध्यम से छह धर्म रथ समर्पित कर हम स्वयं को धन्य मानते हैं। हमारे पूज्य पिताजी श्री बालकिशन पोद्दार प्रारंभ से ही एकल अभियान से जुड़े हुए हैं और शिक्षा-संस्कार के माध्यम से वनवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव समर्पित रहे हैं।

वर्तमान में देशभर में 109 श्रीहरि मंदिर रथ संचालित हो रहे हैं, जो देश के वनवासी क्षेत्रों में धर्म एवं संस्कृति का प्रचार के साथ बच्चों एवं युवाओं को संस्कार दे रहे है।

सूरत के सांसद मुकेश दलाल एवं विधायक संदीप देसाई ने हरी झंडी दिखाकर इन धर्म रथों को राष्ट्र सेवा के लिए रवाना किया। इस मौके पर प्रमोद चौधरी, कैलाश हाकिम, एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंघानिया, रतनलाल दारुका, सूरत चैप्टर अध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक), वनबंधु परिषद एवं ग्रामोत्थान आयामों के पदाधिकारी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

सूरत के यूफोरिया होटल में पानी में गिरने से बच्चे की मौत

माता-पिता बैंक्वेट हॉल में पार्टी कर रहे थे डेढ़ साल का बच्चा 15 मिनट तक पानी में तड़पता रहा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मोबाइल में व्यस्त और लापरवाह माता-पिता के लिए आंखें खोलने वाला मामला सामने आया है। सूरत के पाल इलाके में स्थित यूफोरिया होटल में डेढ़ साल का बच्चा खेलते-खेलते पानी में गिर गया। लगभग 15 मिनट तक बच्चा पानी में डूबा रहा, जिससे उसकी मौत हो गई। पिता विजयभाई, पत्नी और बेटे कृषिव के साथ होटल में पार्टी में शामिल होने गए थे। जब बैंक्वेट हॉल में पार्टी चल रही थी, तब बच्चा खेलते-खेलते बाहर निकल गया और वहां मौजूद वॉटर पॉन्ड में गिर गया।

योगीचौक के शुभम रेसिडेंसी में रहने वाले विजय सावल्या अपने परिवार के साथ पाल स्थित यूफोरिया रेस्टोरेंट में पार्टी में शामिल हुए थे। पार्टी बैंक्वेट हॉल में चल रही थी और भोजन शुरू होने वाला था। इस बीच विजयभाई का डेढ़ साल का बेटा कृषिव खेलते-खेलते बाहर निकल गया और बैंक्वेट हॉल के बाहर बने वॉटर पॉन्ड में गिर गया।

बैंक्वेट हॉल के अंदर किसी को पता नहीं था कि बच्चा कहां है। जब हॉल में उसकी खोजबीन हो रही थी, तभी बाहर बैठे एक ग्राहक की नजर बच्चे पर पड़ी। उसने तुरंत लोगों को सूचना दी। होटल प्रबंधन की टीम बच्चे को निकालने दौड़ी। कृषिव को बाहर निकाला गया, लेकिन वह बेहोश था। तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

होटल के मैनेजर हसनभाई राबड़ी ने कहा कि बच्चा वॉटर पॉन्ड में गिर गया था। बाहर बैठे ग्राहक ने हमें जानकारी दी थी। मैंने तुरंत उसे बाहर निकाला और परिवारजन उसे अस्पताल ले गए।

एसीपी दीप वकील ने बताया कि पाल थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में कल एक बर्थडे पार्टी का आयोजन हुआ था, जिसमें 50 से अधिक मेहमान आए थे। इन्हीं में विजयभाई सावल्या भी अपनी पत्नी और डेढ़ साल के बेटे कृषिव के साथ शामिल हुए थे। पार्टी के दौरान खेलते-खेलते बच्चा बाहर निकल गया और पानी वाली जगह पर चला गया। तैरना न आने के कारण वह डूब गया।

अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों या पार्टियों में लोग बातचीत या मोबाइल में इतने मशगूल हो जाते हैं कि बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में छोटे बच्चे इधर-उधर चले जाते हैं और खतरे में पड़ जाते हैं। इस मामले में भी बच्चा खेलते-खेलते बाहर चला गया और पानी में गिर गया, जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

विजय सावल्या सूरत की जय अंबे स्कूल के प्रबंधन से जुड़े हैं और उनकी पत्नी गृहिणी हैं। विजयभाई के दो बच्चे थे — आठ साल का रुद्र और डेढ़ साल का कृषिव। स्कूल के ट्रस्टी का जन्मदिन होने के कारण परिवार पार्टी में शामिल हुआ था। भोज शुरू हो चुका था और इस बीच कृषिव गायब हो गया। खोजबीन के दौरान ही उसकी लाश वॉटर पॉन्ड में मिली।